राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,20 जुन2020 वर्ष-2, अंक -107 पृष्ठ-04 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में भाजपा को तीन, कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट

दिग्विजय, सिंधिया और सुमेर सिंह पहुंचे राज्यसभा

– आंध्र प्रदेश की चारों सीटों पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी नेजीत दर्ज की
–राजस्थान में कांग्रेस को दो सीटें मिलीं और भाजपा एकसीट जीती
–मेघालय की एक राज्यसभा सीट पर एमडीए के डॉ। डब्ल्यूआरखरखुली जीते
–झारखंड में एक सीट झामुमो तो दूसरी भाजपा के खाते में,कांग्रेस खाली हाथ

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। 8 राज्यों की 19 राज्यसभा सीटों पर शुक्रवार को मतदान के बाद परिणाम घोषित किए गए। गुजरात में कश्मकश के बाद देर रत घोषित परिणाम में भाजपा को तीन कांग्रेस को एक सीट मिली।

मप्र में भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुमेर सिंह सोलंकी तथा कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह की जीत हुई, वहीं फूल सिंह बरैया की हार हुई। राजस्थान की 3 में से 2 सीटें कांग्रेस के पास गई हैं। पार्टी के केसी वेणुगोपाल और नीरज डांगी जीते। भाजपा को एक सीट मिली, पार्टी के राजेंद्र गहलोत को जीत मिली। आंध्र प्रदेश की 4 सीटों पर सीएम जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस को जीत मिली।

झारखंड की दो सीटों में एक झारखंड मुक्ति मोर्चा के खाते में गई तो दूसरी सीट पर भाजपा ने जीत हासिल की। वहीं, मेघालय में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस के डॉ। डब्ल्यूआर खरलुखी ने जीत दर्ज की। झारखंड की दो सीटों पर भारतीय जनता पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा को जीत मिली।

गुजरात की चार राज्यसभा सीटों पर हुए चुनाव में तीन सीटें बीजेपी के खाते में गईं जबकि एक सीट पर कांग्रेस कब्जा जमाने में कामयाब रही। बीजेपी उम्मीदवार अभय भारद्वाज, रमिलाबेन बारा और नरहरी अमीन चुनाव जीत गए हैं। कांग्रेस उम्मीदवार शक्ति सिंह गोहिल भी राज्यसभा सांसद चुन लिए गए हैं। लेकिन कांग्रेस के दूसरे उम्मीदवार भरत सिंह सोल.ंकी को हार का मुंह देखना पड़ा।

बता दें कि राज्यसभा की 19 सीटों में आंध्रप्रदेश की चार, गुजरात की चार, मध्यप्रदेश में तीन, राजस्थान में तीन, झारखंड में दो और मणिपुर, मिजोरम और मेघालय में एक-एक सीट पर मतदान हुआ।

–मणिपुरः मणिपुर में सत्तारूढ़ गठबंधन के नौ सदस्यों के इस्तीफे के कारण स्थिति पेचीदा हो गई है। भाजपा ने यहां की एक सीट पर लीसेम्बा सानाजाओबा को और कांग्रेस ने टी मंगी बाबू को उम्मीदवार बनाया था। यहां भाजपा प्रत्याशी लीसेम्बा सानाजाओबा की जीत हुई।

संक्षिप्त समाचार

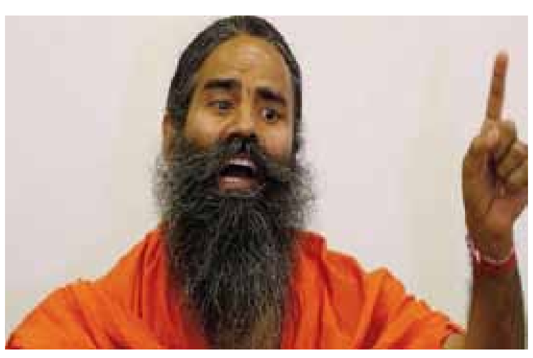

मोदी को चीन के अंदर घुसकर उसे सबक सिखना चाहिए: रामदेव

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 सैनिकों की शहादत से पूरा देश गुस्से में है। वहीं योगगुरू बाबा रामदेव ने चीन को भारत का दुश्मन, जाहिल और साम्राज्यवादी देश बताते हुए मांग की कि भारत सरकार चीन के साथ हुए सभी समझौतों को रद कर दें और अपने सैनिकों की शहादत का पुरजोर बदला ले। यह सारी बातें बाबा रामदेव ने गंगा किनारे वीआईपी घाट पर योग प्रोटोकॉल रिहर्सल करने के दौरान कही। रामदेव ने कहा कि मोदी को चीन के अंदर घुसकर उसे सबक सिखना चाहिए और चीन का बहिष्कार कर उसको आर्थिक मोर्चे पर भी घेरना चाहिए। चीन नेपाल को उकसा कर भारत और नेपाल के बीच तनाव पैदा करना चाहता है लेकिन इसमें चीन कामयाब नहीं होगा। नेपाल और भारत का धर्म संस्कृती का रिश्ता है, राम और सीता के जमाने से दोनों एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। बाबा रामदेव ने एक बार फिर जल्द ही कोरोना का इलाज करने का दावा किया और कहा कि पतंजलि ने पहले कोरोना पर क्लिनिकल कंट्रोल स्टडी की और क्लिनिकल कंट्रोल ट्रायल भी पूरा हो चूका है। बहुत जल्द ही वो कोरोनिल और श्वसारी से देश और पूरी दुनिया को कोरोना से बचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना की दवा किट बनाने का काम जारी है और 21 जून के बाद वो इसकी लॉन्च करने की तारीख भी बता देंगे।

कांग्रेस की प्रेस कांफ्रेंस में आरोग्य सेतु ऐप ने दिया कोरोना अलर्ट, मची भगदड़

फरीदाबाद । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्मदिन पर हरियाणा कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्षा कुमारी सैलजा फरीदाबाद में बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस कर रही थीं। इस दौरान वहां जमा कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पत्रकारों की भीड़ में से किसी एक शख्स के फोन पर आरोग्य सेतु ऐप ने कोरोना अलर्ट दे दिया। जिससे वहां भगदड़ मच गई और वहां मौजूद लोग भाग खड़े हुए। बंद कमरे से बाहर निकल कर पत्रकारों ने कुमारी सैलजा की प्रेस कांफ्रेंस सुनी। कुमारी शैलजा राहुल गांधी के जन्मदिन पर फरीदाबाद में कोरोना योद्धाओं का सम्मान करने और गरीब बेसहारा लोगों की मदद करने के लिए फरीदाबाद पहुंची थी। उन्होंने इस दौरान प्रैसवार्ता कर सरकार पर गंभीर सवाल भी उठाए। प्रैसवार्ता में शैलजा के साथ कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक ललित सहित कई बड़े कांग्रेसी नेता मौजूद रहे। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग की भी जमकर धज्जियां उड़ाई गई, जिसका असर उस वक्त देखने को मिला जब आरोग्य सेतु ऐप ने प्रैसवार्ता के दौरान ही कोरोना वायरस का अलर्ट दिखा दिया, जिसके बाद प्रैसवार्ता से पत्रकार भागते हुए नजर आए। बंद कमरे से बाहर निकलकर पत्रकारों ने कुमारी शैलजा से बातचीत की। शैलजा ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार कुंभकरण की नींद सो रही है, वहीं चीन के मुद्दे पर कहा कि वह राहुल गांधी के बयान से सहमत हैं, सरकार आंकड़े छुपा रही है, अन्यथा अब तक खुद प्रधानमंत्री को देश के नाम संबोधन देते हुए देश को सब कुछ बता देना चाहिए था और चीन को भी चेतावनी देने चाहिए थी।

गुजरातः दो वोटों का खेल , बीजेपी को 3 सीटें तय, कांग्रेस की आपत्ति से मतगणना अटकी

गांधीनगर।

गुजरात में राज्यसभा की चार सीटों के लिए आज मतदान पूरा हो गया और इस दौरान कांग्रेस को झटका देते हुए इसके चुनावी सहयोगी रहे भारतीय ट्राइबल पार्टी के दोनो विधायकों ने वोट ही नहीं डाले। इससे चार में से तीन सीटों पर सत्तारूढ़ भाजपा की जीत का रास्ता लगभग साफ हो गया है। हालांकि सुबह नौ बजे से दोपहर बाद चार बजे तक यहां विधानसभा भवन के चौथे तल पर बनाये गये मतदान केंद्र पर पर वोटिंग पूरी हो गयी। पर कांग्रेस की ओर से दो भाजपा विधायकों की वोटिंग पर आपत्ति जताते हुए चुनाव आयोग को भेजी गई अर्जी के मद्देनजर शाम छह बजे तक मतगणना शुरू नहीं हुई थी। कांग्रेस का कहना है कि राज्य के मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडासमा, की विधानसभा सदस्यता का मामला अदालत में विचाराधीन होने के चलते उनका मत रद्द होना चाहिए। ज्ञातव्य है कि चूडासमा की गत चुनाव में नजदीकी अंतर से जीत को गुजरात हाई कोर्ट ने हाल में अवैध ठहरा दिया था पर बाद में इस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। कांग्रेस ने इसके अलावा भाजपा के एक अन्य विधायक केसरीसिंह सोलंकी के मतदान के तरीके पर सवाल उठाते हुए इसे भी रद्द करने की मांग की है। सोलंकी ने अस्वस्थ होने का हवाला देते हुए प्रोक्सी के जरिए मतदान किया था पर कांग्रेस का कहना है कि वह अस्वस्थ हैं ही नहीं। मामला अब चुनाव आयोग के पाले में है और मतगणना की शुरूआत के लिए यहां निर्वाचन अधिकारी उसके निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। इनमें से एक सीट पर भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बीच नजदीकी मुकाबले की संभावना और इसके लिए एक-एक वोट की खींचतान थी। इन चार सीटों में से तीन भाजपा तथा एक कांग्रेस के पास थीं पर पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान सदन के बदले अंकगणित और कांग्रेस की बढ़ी हुई संख्या के चलते शुरूआत में दोनो पार्टियों ने दो दो प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की थी पर भाजपा ने नामांकन के अंतिम दिन यानी 13 मार्च की सुबह तीसरे प्रत्याशी के नाम की भी घोषणा कर चुनाव को रोचक बना दिया। भाजपा ने पहले रमिला बारा और अभय भारद्वाज को अपना प्रत्याशी बनाया था पर बाद में राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री नरहरि अमीन को अपना तीसरा उम्मीदवार घोषित कर दिया। अमीन पाटीदार समुदाय के हैं और पहले कांग्रेस में थे। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी और राज्य के मंत्री तथा गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह एक सीट पर एक बार फिर दोनो दलों में प्रतिष्ठा की जंग होना तय है। यह चुनाव पहले 26 मार्च को होना था पर कोरोना संकट के कारण इसे टाल दिया गया था। सामान्य अंकगणित के लिहाज से भाजपा केवल दो सीटें ही जीत सकती थी पर अब तीसरी सीट पर भी इसका पलड़ा भारी है। चुनाव की घोषणा के बाद से कांग्रेस के आठ विधायक इस्तीफे दे चुके हैं। हाल में तीन विधायकों ने और इससे पहले मार्च में पांच ने इस्तीफा दे दिया था। इससे विधानसभा का और साथ ही चुनाव के मतदाताओं यानी विधायकों का अंकगणित बदल गया है। 182 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 103 और कांग्रेस के अब 65 विधायक (कुल आठ इस्तीफों के बाद) हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का एक विधायक है, कांग्रेस समर्थित निर्दलीय एक (जिग्नेश मेवाणी) और इसके सहयोगी दल भारतीय ट्राइबल पार्टी यानी बीटीपी के दो हैं। कुल 172 सदस्यों में से आज 170 ने मतदान किया है। बीटीपी के दो सदस्यों के मतदान नहीं करने से जीत के लिए एक उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के 34 मतों की जरूरत होगी। समझा जाता है कि राकांपा के इकलौते विधायक कांधल जाडेजा ने भी भाजपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की है। उन्होंने हालांकि यह दावा किया कि उन्होंने पार्टी के व्हीप के अनुसार वोट किया है पर माना जा रहा है कि कल भाजपा के विधायकों के बैठक में उनकी उपस्थिति से स्पष्ट है कि इस बार भी उन्होंने सत्तारूढ़ दल के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की है। भाजपा के एक नेता भरत परमार ने बीटीपी के दोनो विधायकों के साथ भी बंद कमरे में बैठक की थी। ऐसा समझा जा रहा था बीटीपी के दोनो विधायकों के साथ भी बंद कमरे में बैठक की थी। ऐसा समझा जा रहा था कि दोनो भाजपा का समर्थन करेंगे पर उनके मतदान नहीं करने से भी भाजपा को ही फायदा हुआ है। प्रेक्षकों का मानना है कि भाजपा तीनों सीटें जीत सकती है जबकि कांग्रेस की ओर से केवल गोहिल की ही जीत पक्की है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सरकार से पूछे तीखे सवाल, चीनी सैनिकों ने कब की घुसपैठ

नई दिल्ली।

भारत-चीवन सीमा मुद्दे पर पीएम मोदी द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सरकार से तीखे सवाल पूछे। सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी ने पूछा, चीनी सैनिकों ने किस तारीख को घुसपैठ की? सरकार को घुसपैठ का पता कब चला? उन्होंने पूछा कि क्या सरकार को सीमा की सैटेलाइट तस्वीरें नहीं मिली? क्या खुफिया विभाग ने असामान्य गतिविधि के बारे में जानकारी नहीं दी? इससे पहले उन्होंने सर्वदलीय बैठक में कहा कि यह बैठक बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। इतनी देर तक सरकार ने हमें अंधेरे में रखा है। भारत-चीन सीमा पर स्थिति के संबंध में विचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को बुलाई। सर्वदलीय बैठक में प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस संवेदनशील मुद्दे पर अपने विचार सामने रखे। इस डिजिटल बैठक की शुरुआत में उन 20 भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गयी जो पिछले दिनों पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प में शहीद हो गए थे। प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शहीद जवानों के सम्मान में खड़े होकर कुछ देर मौन रखा। शुरुआत में सिंह और जयशंकर ने टकराव के बारे में बात की। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राकांपा अध्यक्ष शरद पवार, टीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव, जद (यू) नेता नीतीश कुमार, द्रमुक के एम के स्टालिन, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के वाईएस जगन मोहन रेड्डी और शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे भी शामिल हुए। सरकार ने प्रमुख राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को बैठक के लिए आमंत्रित किया था। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने सरकार से कहा है कि सीमा पर स्थिति के बारे में उसे पारदर्शी होना चाहिए। विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार की आलोचना भी की है। कि हमारे सैनिकों ने कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय साहस और वीरता दिखाई और भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपराओं को निभाते हुए ।

आतंकी मामले में निलंबित डीएसपी दविन्दर सिंह को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के निलंबित डीएसपी दविन्दर सिंह को जमानत दे दी। सिंह को इस साल की शुरुआत में श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। सिंह के वकील ने यह जानकारी दी। दविंदर के वकील एमएस खान ने कहा कि अदालत ने सिंह और मामले के एक अन्य आरोपी इरफान शफी मीर को जमानत दे दी। दोनों को दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दायर एक मामले में अदालत द्वारा राहत दी गई है। खान ने कहा कि कानून के अनुसार जांच एजेंसी गिरफ्तारी से 90 दिनों के अंदर आरोप पत्र दायर करने में विफल रही। उन्हें एक लाख रुपये के निजी बांड और इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर यह राहत दी गई। खान ने कहा कि कानून के अनुसार जांच एजेंसी गिरफ्तारी से 90 दिनों के अंदर आरोप पत्र दायर करने में विफल रही। खान ने कहा कि कानून के अनुसार जांच एजेंसी गिरफ्तारी से 90 दिनों के अंदर आरोप पत्र दायर करने में विफल रही। उन्हें एक लाख रुपये के निजी बांड और इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर यह राहत दी गई।

भारत-चीन विवाद पर सर्वदलीय बैठक से केजरीवाल बाहर!

नेशनल डेस्क। भारत और चीन के बीच जारी विवाद को लेकर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में देश की करीब 17 राजनीतिक पार्टियों के नेता शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक़ बैठक में सभी विपक्षी दल केंद्र सरकार से तीखे सवाल पूछने की तैयारी में हैं। इस बैठक से पहले ही पार्टियों के हमलावर रुख सामने आ रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सरकार से चीन के साथ मौजूदा हालातों को लेकर तथ्य मांगेंगी तो वहीं बैठक में आमंत्रित ना किये जाने को लेकर आम आदमी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल बेहद नाराज है। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि पार्टी की दिल्ली में सरकार है और पंजाब में वह मुख्य विपक्षी पार्टी है फिर भी भाजपा को उसके विचार नहीं चाहिए। सिंह ने ट्वीट किया कि केंद्र में अहंकार से ग्रस्त अजीब सरकार है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली में सरकार है। पंजाब में वह मुख्य विपक्षी पार्टी है। देश भर में उसके चार सांसद हैं लेकिन फिर भी भाजपा को इतने अहम मुद्दे पर उसकी राय नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री बैठक में क्या कहेंगे, पूरा देश इसका इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपात के दौरान, सभी दलों को साथ आना चाहिए। आप नेता एवं दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप को नहीं बुलाया गया है।

8 राज्यों की 19 राज्यसभा सीटों पर शुक्रवार को मतदान के बाद परिणाम घोषित किए गए।

–किस राज्य में क्या रही स्थिति

–आंध्रप्रदेश

प्रत्याशी पार्टी जीत/हार
पिल्ली सुभाष चंद्र बोस वाईएसआर कांग्रेस जीत
मोपीदेवी वेंकट रमन्ना वाईएसआर कांग्रेस जीत
अयोध्या रामीरेड्डी वाईएसआर कांग्रेस जीत
परिमाल नाथवानी वाईएसआर कांग्रेस जीत
वर्ला रामैया तेलुगूदेशम पार्टी हार

–मध्यप्रदेश

प्रत्याशी पार्टी जीत/हार
ज्योतिरादित्या सिंधिया भ.ाजपा जीत
सुमेर सिंह सोलंकी भाजपा जीत
दिग्विजय सिंह कांग्रेस जीत
फूल सिंह बरैया कांग्रेस हार

–राजस्थान

प्रत्याशी पार्टी जीत/हार
केसी वेणुगोपाल राय कांग्रेस जीत
नीरज डांगी कांग्रेस जीत
राजेंद्र गहलोत भाजपा जीत
ओंकार सिंह लखावत भाजपा हार

–झारखंड

प्रत्याशी पार्टी जीत/हार
शिबू सोरेन झामुमो जीत
दीपक प्रकाश भाजपा जीत
शहजादा अनवर कांग्रेस हार

–मेघालय

प्रत्याशी पार्टी जीत/हार
डॉ। डब्ल्यूआर खारखुली एमडीए जीत
कैनेडी खीरीयम कांग्रेस हार

–मिजोरम

मिजोरम की एक राज्यसभा सीट के लिए हुई वोटिंग में एमएनएफ के उम्मीदवार पुके वनल.ालवेना को जीत हासिल हुई है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर बड़ा मौका

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दस साल बाद वापसी जितनी सुखद है, उससे कहीं अधिक जरूरी है। ऐसे समय में भारत का निर्विरोध चुना जाना भी महत्व रखता है। बुधवार को हुए चुनाव में 193 सदस्यीय महासभा में भारत ने 184 मत प्राप्त किए और सबसे बड़ी बात यह कि एशिया प्रशांत क्षेत्र से भारत की दावेदारी पर पिछले साल जून में ही मुहर लग गई थी। तात्कालिक रूप से हमें आश्चर्यजनक जरूर लगेगा, पर तब भारत की इस दावेदारी का चीन और पाकिस्तान ने भी समर्थन किया था। हमारे प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के गैर-स्थाई सदस्य के रूप में भारत के चुने जाने पर उचित ही गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रहते हुए भारत वैश्विक शांति, सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करेगा और यही समय की मांग है। भारत को सुरक्षा परिषद में तत्काल कोई जगह नहीं मिलेगी और एक जनवरी अर्थात अगले साल ही वह नए रूप में अपनी सक्रियता बढ़ाएगा। बड़ा सवाल यह है कि इस सदस्यता के मायने क्या हैं और भारत इससे किस हद तक लाभ उठा सकता है? भारत पहले भी सात बार सुरक्षा परिषद में अस्थाई सदस्य रह चुका है। गौर करने की बात है कि सुरक्षा परिषद में उसकी सबसे मजबूत स्थिति 1970 के दशक में थी, जब भारत की नीतियां ज्यादा स्पष्ट और मुखर थीं। बांग्लादेश के गठन से लेकर संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न अभियानों में भारत की भूमिका को देखते हुए ही उस दशक में हमें दो बार (1972-73 और 1977-78) सुरक्षा परिषद में यह सदस्यता नसीब हुई थी। इस लिहाज से देखें, तो 1993 से 2010 तक एक लंबा दौर रहा, जब हम सुरक्षा परिषद में नहीं थे और हमारी नीतियां तेजी से उदार हो रही थीं। संभव है, इस लंबे अंतराल में भी सुरक्षा परिषद में अगर हमारी भूमिका बड़ी होती, तो हम आज बेहतर स्थिति में होते। अब फिर मौका हमारे हाथ लगा है, तो इसे अधिकतम सीमा तक इस्तेमाल करना हमारी जिम्मेदारी है। ध्यान रहे, पिछले दिनों डब्ल्यूएचओ के कार्यकारी बोर्ड की अध्यक्षता भी भारत को मिली है। इस गाढ़े समय में ये बड़े मौके हैं, जिनका पूरा फायदा हम उठा सकते हैं। हमें ध्यान रखना होगा कि राजनय की दुनिया में हमारी आधिकारिक सक्रियता बढ़ना सबसे जरूरी है। राजनय में सक्रियता के बिना हम अपनी पूरी ताकत, क्षमता, योग्यता, कौशल और विशालता का लाभ नहीं ले पाएंगे। चीन जिस तरह से हमें सॉफ्ट टारगेट समझ रहा है, उसकी गलतफहमी सिर्फ भारत की सक्रियता से ही दूर हो सकती है। अभी सभी देश खामोश हैं, क्योंकि हमें हस्तक्षेप या मध्यस्थता मंजूर नहीं है। लेकिन जब भारत आगे आकर सक्रिय होगा, तो उसे मित्र, शत्रु और तटस्थ देशों का अंदाजा होगा। राजनय के मोर्चे पर अभी चीन हमसे असमान रूप से आगे है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में उसे वीटो पावर हासिल है। वह अपने खिलाफ होने वाली किसी भी कोशिश का पीछा कर सकता है। अत- भारत को विश्व स्तर पर किसी भी मंच पर शिथिलता से काम नहीं लेना चाहिए। एक-एक देश महत्वपूर्ण है। चीन के करीबी देशों को भी जमीनी हकीकत बताने में कोई हर्ज नहीं है। साथ ही, अपने अन्य निकटतम पड़ोसियों के साथ भी हमें तालमेल बढ़ाने की जरूरत है, तभी हम अपने विकास के लिए जरूरी सुकून जुटा पाएंगे।

आज के ट्वीट

अवसर

गांवों में प्रवासी श्रमिकों और गरीबों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार 'गरीब कल्याण रोजगार अभियान' शुरू कर रही है। 20 जून को बिहार सरकार के साथ इसकी शुरुआत करूंगा। इसके तहत मिशन मोड में 6 राज्यों में 50 हजार करोड़ रु के कार्य कराए जाएंगे। -- पीएम नरेंद्र मोदी

लॉकडाउन की लाइफ-लाइन महिलाएं

(लेखक-डॉ0 राकेश राणा)

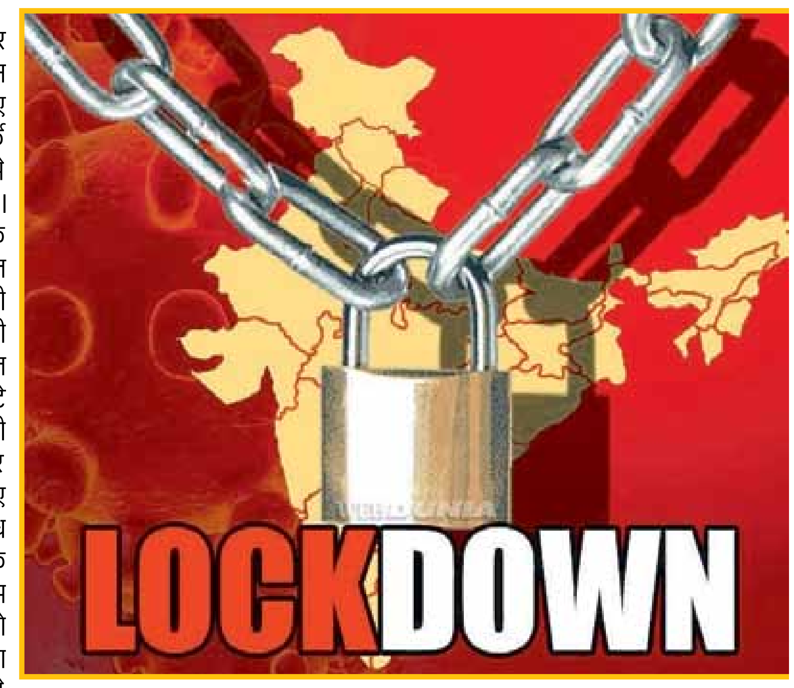

महिलाएं दुनियां में लॉकडाउन की सफलता का आधार बनकर मजबूत संचालक शक्ति के रुप में उभरी। बावजूद इसके कि लॉक-डाउन का महिलाओं के जीवन पर हर तरह से बुरा असर पड़ा है। इस दौरान दुनिया भर में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामलों में बेतहाशा वृद्धि हुई। महिलाओं पर पारिवारिक हिंसा की घटनाएं अमेरिका, यूरोप, दक्षिणी अमेरिका, चीन, स्पेन, इटली और भारत समेत सब जगह बड़े स्तर पर दर्ज हुई है। परिणाम महिलाएं लॉक-डाउन के दौरान भारी मानसिक दबावों में जीने को मजबूर रही। उपर से महामारी का भय अभी भी बराबर बना हुआ है। महिलाएं अपने परिवार के प्रति बहुत सरोकारी स्वभाव रखती है। इसी प्रवृत्ति के चलते अपनी और अपने परिजनों की चिंता उन्हें और भी गहरे अवसाद में धकेल रही है। पूरी दुनियां के काम भले ही थम गए हो और पहले से कम हो गए हो। पर महिलाओं के काम तो घर में रहते हुए भी कई गुना बढ़े है। घर के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में कामकाजी महिलाएं निरन्तर अपनी सेवाएं दे रही है। लॉक-डाउन के दौरान उन पर पहले से भी ज्यादा काम का बोझ आया है। वास्तव में तो सफल लॉक-डाउन की आधारशिला महिलाएं ही बनी है। काम के दोहरे दबाओं के बीच घर में मौजूद पुरुषों के बेतुके बयान व सलाहें, छोटे बच्चों की उलूल-जुलूल मांगें और बुजुर्गों की अतिरिक्त अपेक्षाएं। इन सबने मिलकर महिलाओं की दिनचर्या को अतिरिक्त दबावों और कार्यों से बेहद बोझिल बना दिया। इससे स्पष्ट है कि लॉक-डाउन की लाइफ-लाइन महिलाएं ही बनी है। यहां तक कि जो महिलाएं घरेलू कामकाज तक ही सीमित थी उनके संकट भी कोरोना संकट के साथ गुणात्मक रुप में बढ़े है। चूंकि लॉकडाउन के कारण घर में काम पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा हैं। परिणाम उनके कामकाज के घंटे लगभग दोगुने हो गए हैं।

दुनियां में अचानक से आए इस संकट से लोगों के काम-धंधे चौपट हुए है तो उनके मानसिक तनाव बढ़ेंगें ही लोग आर्थिक दबाव में आयेगें ही। जिसके परिणाम समाज में बढ़ते तनाव, अवसाद और अपराधों में उभर कर सामने आ रहे है। घरेलू हिंसा का बढ़ना इसी क्रम का एक अपरिहार्य परिणाम मनोवैज्ञानिक मान रहे है। पर यह बात मनोवैज्ञानिकों की मान भी ली जाए तो भी, एक बड़ा और गंभीर सवालिया निशान तो सभ्य समाज पर है ही। कि क्या पुरुष अकेले इस संकट का सामना कर रहें है? क्या यह खतरा घर में दुबके बैठे सिर्फ पुरुषों पर ही है? क्या ऐसी संक्रमति महामारी में भी पुरुष-वर्ग महिलाओं के प्रति संवेदनशील सोच नहीं रखता है? क्या महिलाएं इंसान नहीं है? ये तमाम वे मौजूं सवाल है जो आज के तथाकथित 21वीं सदी के आधुनिक कहे जाने वाले सभ्य समाज के गले में अटके है। चीन में तो लॉक-डाउन के दौरान महिला हिंसा की घटनाओं में तीन गुने तक बढ़ोतरी हो गयी है। वहीं स्पेन की सरकार महिलाओं को हिंसा से बचने के अजीब-अजीब तरीके सुझा रही है। कि महिलाएं स्वयं को बाथरूम में बंद कर ले हिंसा समय। इतना ही नहीं बढ़ती घटनाओं को देखकर स्पेन सरकार ने सख्ती से यह तक लागू कर दिया कि लॉक-डाउन के दौरान ढील दिए जाने के समय सिर्फ महिलाएं ही घर से बाहर जा सकेगी। ताकि उन्हें मानसिक तनाव से थोड़ा राहत महसूस हो। इटली सरकार ने स्वयंसेवी संस्थाओं को निर्देशित किया कि चौबीसों घंटे महिलाओं की काउंसिलिंग और सहायता के लिए हेल्पलाइन उपलब्ध कराएं, सरकार इसके लिए तत्पर है। फ्रांस ने तो इस संकट को बढ़ते देख और हिंसा को हद से गुजरते देख, फ्रांसिसी महिलाओं के लिए यहां तक किया कि जो महिलाएं पुलिस में शिकायत करने अथवा फोन करने की हिम्मत न जुटा पाएं तो उनके लिए एक गुप्त कोड की व्यवस्था की गई है। महिलाएं पास के किसी मेडिकल स्टोर पर जाकर मास्क-19 मांग ले बस। अगर वे अपने उपर हुई किसी भी तरह की हिंसा या यातना का सामना कर रही है तो, मास्क-19 सुनते ही केमिस्ट की यह जिम्मेदारी है कि उस पीड़ित महिला की धरेलू हिंसा से रक्षा-सुरक्षा का पूरा इंतजाम करे। महिला हिंसा के निरन्तर बढ़ते मामलों को देख स्पेन सरकार ने भी इस मॉडल को अपने यहां अपनाने का फैसला लिया। दुनियां भर में इतना लम्बा लॉकडाउन महिलाओं के कंधों पर सवार होकर सफल होने की तरफ बढ़ रहा है पर शर्म की बात यह है कि महिला हिंसा का ग्राफ भी उसी के समानान्तर बढ़ा है। यह सत्य है की लॉक-डाउन की सफलता का मुख्य आधार महिलाएं ही है। इतिहास में उन्हें कोरोना काल की लाइफ-लाइन माना जाएगा। क्योंकि लॉकडाउन में समाज, सरकार और बाजार सबके काम कम हुए है, लगभग रुके रहे है। वहीं दुनियां की आधी-आबादी महिलाएं इस संकट से जूझने में दोगुनी मसक्कत के साथ जुटी रही है। क्योंकि महिलाओं के काम में तो गुणात्मक ढ़ंग से वृद्धि हुई है। गृह कार्यों खान-पान से लेकर दैनिक रुटिन में उपभोग का ग्राफ बढ़ गया है। इसमें खतरनाक यह हुआ कि लॉकडाउन से उपजी स्थितियों, परिस्थितियों और मन:स्थितियों का सारा दबाव महिलाओं पर पड़ा है। आर्थिक-राजनीतिक दबावों से उपजे तनावों से घर का वातावरण जिन तनाव की जकड़ में आया है। उसका पहला और आसान शिकार महिलाएं हुई है। पूरी दुनियां में महामारी से उपजे इस संकट के दौरान देखने में आया है कि बच्चों में बढ़े चिडचिड़ेपन की सारी खपत मां के आंचल में ही होती है। दुनियां के मर्द परिस्थितियों से उपजे तनाव और गुस्से की जकड़न में मूर्छित है। यहीं उसके हजार दुखों की एक बड़ी वजह है। जिसके चलते परिवार के परिवार परेशान है। दुनियां में महिला हिंसा का आंकड़ा इसी मर्दवादी हीन-ग्रंथी की विष-बेल से बढ़ता है। मॉ और बाप में धरती-आसमान का फर्क होता है। बाप पर उस आसमान की तरह गुस्से का एक छोटा बादल नहीं थमता। जरा-जरा सी बातों पर बरस पड़ता है। वहीं मॉ धरती सा धैर्य रखकर सारी उलझन के एक-एक सिरे को सुलझाने में जुट पड़ती है और अंतत: जीत जाती है। दुनियां में इस लॉडाउन को जिन कुछ नकारात्मक और सकारात्मक प्रवृत्तियों के लिए याद रखा जायेगा। उनमें सांप्रदायिकता का सवाल सबसे ज्यादा सालने वाला होगा। वहीं नस्ल, जाति और वर्गीय भेदभाव के वीभत्स दृश्य सभ्य विश्व-समाज पर बड़े सवालिया निशान छोड़ गए है। लॉक-डाउन ने एक बार फिर तथाकथित सभ्य समाज की उन सिलाईयों को उधेड़ फेंका है जो पुरुष वर्चस्व वाली दुनियां में महिलाओं के प्रति हिंसात्मक रवैये और महिला विरोधी सोच के घटिया व्यवहार को अक्सर कवर करे रखती है। इस कड़वी सच्चाई को सतह पर लाने का काम भी कोविड-19 :लॉक-डाउन ने बखूबी किया। पितृसत्तात्मक सोच पुरुषों की धमनियों में लहू के साथ बहती है यह एक बार फिर जगजाहिर हुआ।

आधुनिक सभ्यता का यह कलंकित कोना महिलाओं के प्रति हिंसक वारदातों के अंबार के आर्काइव्ज की तरह इन घटनाओं के घटित होने के प्रमाण सहेज रहा है। साथ ही उस सकारात्मक योगदान के लिए भी महिलाएं ही बढ़त बनाए हुए है जो इस लान्ग लॉक-डाउन की लाइफ लाइन बनकर अड़ी रही और खड़ी रहीं। उन्हीं की कड़ी मेहनत के बल पर दुनियां इस लड़ाई को जीतने की तरफ बढ़ती रही। मातृ-शक्ति तुझे सलाम।

ज्ञान गंगा

अंधविश्वास

जग्गी वासुदेव

बहुत से लोग हमेशा भाग्यशाली सितारों, ग्रहों, संख्याओं, हर तरह की चीजों को खोजते रहते हैं। इस प्रक्रिया में जिन चीजों को वे खुद ही साकार कर सकते थे, वो पूरी तरह से खो जाती हैं। जीवन के हर पहलू के साथ, यह आप ही हैं जिसे इसे साकार करना होगा। आपकी शांति और बेचैनी आपका धंधा है। आपका आनंद और पीड़ा आपका धंधा है। आपके भीतर मौजूद शैतान और भगवान आपका धंधा है। जब आप संयोग से जीवन जीते हैं, तब डर और चिंता में भी जीते हैं। जब उद्देश्य और क्षमता से जीवन जीते हैं, तब इससे फर्क नहीं पड़ता कि क्या होता है, या क्या नहीं-कम से कम आपका उस पर नियंत्रण है, जो आपके साथ हो रहा है। कुछ साल पहले, एक महिला, जिसे मैं जानता था, महत्वपूर्ण मीटिंग के लिए तैयारी कर रही थी। तमिलनाडु में, तमाम लोग मानते हैं कि आप अपनी कार सुबह स्टार्ट करें तो उसे रिवर्स गियर में स्टार्ट नहीं करना चाहिए वरना आपका पूरा जीवन रिवर्स गियर में चला जाएगा। तो, वे सुबह हमेशा उसे थोड़ा-सा आगे बढ़ाते हैं। तो, वह महिला कार को, घर के गेराज से रिवर्स में बाहर निकालने से पहले, थोड़ा आगे बढ़ाना चाहती थी। बस कुछ इंच आगे बढ़ाने की कोशिश में, उसने क्लच अचानक झटके से छोड़ दिया और कार दीवार से होकर सीधे बेडरूम में पहुंच गई! अपने आसपास जरूरी आंतरिक और बाहरी वातावरण पैदा करने, जहां सही किस्म की स्थित बन सके, के बजाय हम हमेशा किसी दूसरी चीज को खोजते हैं, जो उसे साकार कर सकती है। आपने अपने भीतर आज को कैसे अनुभव किया है, वह निश्चय ही आपके हाथों में है। आप जिस अंधविश्वास में विश्वास करते हैं, यह उससे तय नहीं होता। यह इस पर निर्भर करता है कि आप कितनी समझदारी, बुद्धिमानी और जागरूकता के साथ घूमते हैं, आसपास के जीवन को देखते हैं। तो क्या इनमें से किसी में कोई सच्चाई नहीं है? जरूरी नहीं है। उनमें से ज्यादातर में कुछ वैज्ञानिक आधार हैं, लेकिन समय के साथ उन्हें बुरी तरह से विकृत कर दिया गया है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी विज्ञान ने अपना रूप खो दिया है और यह कुछ और बन गया है। इसके अलावा, आज राजनीतिक और दूसरे किस्म के प्रभुत्व की वजह से, हम इस नतीजे पर पहुंच गए हैं कि अगर कुछ पश्चिम से आता है, तो वह विज्ञान है, अगर यह पूर्व से आता है तो अंधविश्वास है।

खूब लड़ी मर्दानी, वह भारत की बेटी

अरुण नैथानी

उनका सारा देश एकतरफ और वह एकतरफा। उनकी पार्टी ने उन्हें बाहर निकालने की धमकी दी। उन पर संशोधन प्रस्ताव वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया। उनके घर पर हमला हुआ, तोड़फोड़ की गई। उन्होंने पुलिस बुलायी तो वो दंगइयों के पक्ष में खड़ी मिली। उनसे देश छोड़ने के लिए कहा गया। संसद में बोलने के लिए खड़ी हुई तो उनका माइक बंद कर दिया गया। मार्शल बुलाकर उन्हें बाहर किया गया। मगर वह वीरांगना की तरह डटी रही। भारत के समर्थन में, भारत के खिलाफ मुखर होते नेपाल के सामने। ऐसा साहस एक भारत की बेटी ही दिखा सकती है। यह बेटी है नेपाल में भारत के पक्ष में मुहिम चलाने वाली सरिता गिरि। उन पर अक्सर आरोप लगते रहे हैं कि वह नेपाल की सांसद होने के बावजूद भारत के पक्ष में खड़ी नजर आती हैं। हाल ही में जब के.पी. शर्मा ओली की सरकार ने भारतीय क्षेत्रों लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा पर अपना दावा जताते हुए नया नक्शा नेपाली संसद में पारित किया तो उसके खिलाफ एकमात्र सांसद के रूप में सरिता गिरि खड़ी नजर आई। वह एक शेरनी की तरह न केवल पार्टी बल्कि संसद के भीतर भी भारत विरोधियों के खिलाफ मुखर रही। समाजवादी पार्टी की सांसद और मधेश नेता सरिता गिरि ने संसद के भीतर और बाहर सरकार के फैसले का जमकर विरोध किया। उनका मानना था कि नेपाल की जनता भारत के साथ बेहतर संबंध चाहती है और यह नक्शा विवाद चीन के इशारे पर किया जा रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को लेकर नेपाल सरकार के पास पर्याप्त साक्ष्य तक नहीं हैं। उनका मानना था कि बजाय नक्शा बनाने के भारत के साथ शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत की जानी चाहिए। उन्होंने संविधान संशोधन प्रस्ताव पर अपना अलग से संशोधन प्रस्ताव अपनी पार्टी के विरोध के बावजूद पेश किया। जब संविधान संशोधन बिल पर प्रतिनिधि सभा में चर्चा हुई तो सरिता को बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में एक महिला का अपमान किया गया। उनकी आवाज दबाने की कोशिश हुई है। उन्होंने बेबाक टिप्पणी की कि नेपाल की हालत बांग्लादेश जैसी हो सकती है जहां महिलाओं के अपमान की वजह से अलग देश बना था। समाजवादी पार्टी ने उन्हें चेतावनी दी कि संविधान संशोधन पर अपना संशोधन बिल वापस ले, अन्यथा वे न केवल अपना सांसद का दर्जा खो देंगी, वरन उन्हें पार्टी से भी निकाल बाहर किया जायेगा। लेकिन सरिता अपने इरादे से नहीं डिगी। उन्होंने प्रतिनिधि सभा में संविधान संशोधन का जमकर विरोध किया। उनका माइक बंद कर दिया गया। बाद में स्पीकर ने अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करके सरिता के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। नेपाल की राजनीति की बेहतर समझ रखने वाली सरिता गिरि तेज-तर्रार नेता के रूप में जानी जाती हैं। भारत मूल के मधेशी समुदाय के हितों के लिए वह लंबे समय से संघर्ष करती रही हैं। कालांतर वर्ष 2007 में वह नेपाल की राजनीति में दाखिल हुई। दरअसल, नेपाल के तराई के इलाके से भारत का गहरा रिश्ता रहा है। मैथिली भाषी इन मधेशियों की संख्या सवा करोड़ से अधिक बतायी जाती है। हिंदी व नेपाली भाषी इन लोगों में से करीब पचास लाख लोगों को नेपाल की नागरिकता नहीं मिल पायी है जो अपने अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे हैं। इन्हीं के बीच काम करके सरिता ने नेपाल की राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पहचान बनायी है। दरअसल, सरिता गिरि हिंदुस्तानी मूल की नेपाली सांसद हैं। उनके पास भारतीय नागरिकता भी है। उनका जन्म बिहार के चम्पारण में हुआ है। कालांतर में उन्होंने नेपाली मूल के एक व्यक्ति से शादी कर ली। लेकिन आज भी उनका मन भारत में बसता है। वर्तमान में वह फरसा संसदीय सीट से सांसद हैं। गिरजा प्रसाद कोइराला की सरकार में वह परिवहन मंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने नेपाल में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के लिए जोरदार अभियान भी चलाया था। यह भी रोचक है कि तेज-तर्रार वक्ता सरिता अभी तक कोई चुनाव नहीं हारी हैं। सरिता गिरि के साहस की तारीफ की जानी चाहिए। उन्हें देश छोड़ने की धमकी दी जा रही है। उनके घर पर तोड़फोड़ हुई, काले झंडे लगाये गये, हमलावरों ने अपमानजक भाषा का प्रयोग उनके खिलाफ किया। लेकिन सरिता अपने पथ से डिगी नहीं। वे कहती हैं कि विपक्षी आवाज को दबाया जा रहा है। ये सब सरकार के इशारे पर हो रहा है। ऐसी मुश्किलों से बेपरवाह सरिता अपनी मुहिम में डटी है। वे नेपाली सरकार को चेता रही हैं कि जब जातीय भावना को राष्ट्रीयता में मिलाया जाता है और असहमति रखने वालों को डराया जाता है तो इसके राष्ट्रीय एकता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत द्वारा गत आठ मई को उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे को धारचुला से जोड़ने वाले अस्सी किलोमीटर लंबी सड़क के उद्घाटन के बाद नेपाल इस इलाके को अपना बता रहा है। उसका कहना है कि यह सड़क नेपाली क्षेत्र से होकर गुजरती है।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

ट्रायम्फ मोटरसाइकिल ने भारतीय बाजार में उतारी टाइगर-900

नयी दिल्ली। ब्रिटेन की ट्रायम्फ मोटरसाइकिल ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपनी नयी 'टाइगर 900' मोटरसाइकिल भारतीय बाजार में पेश की है। इसकी शोरूम कीमत 13.7 लाख से 15.7 लाख रुपये के बीच है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसमें 900 सीसी का इंजन है। साथ ही इसी श्रृंखला की पिछली मोटरसाइकिलों से हल्की है। बयान के मुताबिक टाइगर 900 जीटी की शोरूम की कीमत 13.7 लाख रुपये, रैली की 14.35 लाख रुपये और रैली-प्रो की कीमत 15.5 लाख रुपये है। कंपनी के भारतीय परिचालन के प्रमुख शोएब फारुक ने कहा देश के प्रीमियम मोटरसाइकिल बाजार में ट्रायम्फ की अच्छी पकड़ है। इस नयी पेशकश से हमें बाजार में स्थिति और मजबूत करने की उम्मीद है।

कैडिला हेल्थकेयर का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 15 प्रतिशत घटकर 392 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली। औषधि कंपनी कैडिला हेल्थकेयर का एकीकृत लाभ 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 14.82 प्रतिशत घटकर 391.90 करोड़ रुपये रहा। कैडिला हेल्थकेयर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में कंपनी को 460.1 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की कुल परिचालन आय 2019-20 की चौथी तिमाही में 3,752.1 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 3,732.8 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,176.6 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 1,848.8 करोड़ रुपये था। कंपनी की एकीकृत कुल आय आलोच्य वित्त वर्ष में 14,253.1 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2018-19 में 13,165.6 करोड़ रुपये थी।

ताजा सौदों की लिवाली से ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के कारण सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को ग्वारसीड की कीमत 47 रुपये की तेजी के साथ 3,633 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गयी। एनसीडीईएक्स में ग्वारसीड के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 47 रुपये अथवा 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,633 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गयी जिसमें 28,620 लॉट के लिए कारोबार हुआ। ग्वारसीड के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 44 रुपये अथवा 1.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,649 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गयी जिसमें 4,610 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

टोयोटा किर्लोस्कर का बिदाड़ी संयंत्र दोबारा चालू

नयी दिल्ली । टोयोटा किर्लोस्कर का कर्नाटक स्थित बिदाड़ी संयंत्र शुक्रवार से दोबारा चालू हो गया है। संयंत्र के दो कर्मचारियों के कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद 17 जून को यह संयंत्र विषाणुमुक्त बनाने के लिए बंद कर दिया गया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसके दो कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से एक कर्मचारी सात जून और दूसरा 16 जून को आखिरी बार संयंत्र में आया था। इसके बाद संयंत्र को सैनेटाइज करने के लिए 17 जून को बंद कर दिया गया था। बयान के मुताबिक सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने और कार्यस्थल को विषाणुमुक्त बनाने की पुष्टि के बाद 19 जून से संयंत्र में उत्पादन दोबारा शुरू कर दिया गया है। इसके लिए उसने स्थानीय अधिकारियों और राज्य सरकार की अनुमति ले ली है। कंपनी ने कहा कि वह संक्रमित कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के साथ संपर्क में है। कंपनी ने लॉकडाउन के बाद 26 मई को ही दोबारा अपना परिचालन शुरू किया था।

कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था के उबरने के समय पर अर्थशास्त्रियों ने जताया संशय

कोलकाता।

अर्थशास्त्रियों ने कोरोना वायरस महामारी के बाद आर्थिक पुनरुद्धार के समय पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि कोविड-19 ऐसे समय सामने आया, जब पहले ही आर्थिक सुस्ती का दौर शुरू हो चुका था। स्वायत्त अनुसंधान संस्था नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के निदेशक रथिन रॉय ने कहा कि खपत और निवेश में गिरावट सरकारी खर्च में वृद्धि से मेल नहीं खाते हैं। रॉय ने इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कहा, न तो भारतीय रिजर्व बैंक और न ही सरकार अर्थव्यवस्था को बचा सकती है। निजी क्षेत्र को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देंगे और अगुवाई करेंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कहा था कि देश कोरोना वायरस महामारी के कारण लगाये गये लॉकडाउन से बाहर निकल रहा है और अर्थव्यवस्था उबरने के संकेत दे रही है। सरकार द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज के बारे में रॉय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अधिक उधार देने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, सरकार ने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिये राजकोषीय उपायों के बजाय ऋण व मौद्रिक नीति का मार्ग चुना है।'' रॉय ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे का आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव पड़ेगा और कोविड-19 के गुजरने के बाद गुणवत्ता युक्त श्रमिकों की उपलब्धता एक चुनौती होगी। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि कोरोना वायरस संकट के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को एक तिमाही में 40-50 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, राजकोषीय या मौद्रिक सहायता की कोई राशि इससे उबर पाने में मदद नहीं करेगी।'' उन्होंने कहा कि महामारी ऐसे समय आयी है, जब अर्थव्यवस्था पहले से ही सुस्ती की स्थिति में थी। घोष ने यह भी कहा कि लॉकडाउन के कारण प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे को अच्छी तरह से नियंत्रित नहीं किया गया है।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स को चौथी तिमाही में 81 लाख रुपये का शुद्ध घाटा

नयी दिल्ली। बजाज इलेक्ट्रिकल्स को 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 81 लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) खंड में खराब प्रदर्शन से कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में नुकसान हुआ। बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में कंपनी को 23.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 2019-20 की जनवरी-मार्च तिाही में 26.73 प्रतिशत घटकर 1,300.66 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,775.18 करोड़ रुपये थी। बजाज इलेक्ट्रिकल्स की ईपीसी खंड से आय आलोच्य तिमाही में 46.32 प्रतिशत घटकर 553.80 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले 2018-19 की चौथी तिमाही में उसे 1,031.84 करोड़ रुपये की आय हुई थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी को 10.28 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। एक साल पहले 2018-19 में यह 153.58 करोड़ रुपये था। उसकी आय आलोच्य वित्त वर्ष में 4,987.23 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2018-19 में 6,679.41 करोड़ रुपये थी।

कर्ज मुक्ति से रिलायंस इंडस्ट्री का शेयर रिकॉर्ड स्तर पर, मार्केट कैप 11 लाख करोड़ के करीब

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्ज़मुक्त कंपनी बनने की खबर के बाद शेयर में तेजी आई है। शुक्रवार को हस्श्व पर रिलायंस के शेयर ने 1684 रुपए का नया उच्चतम स्तर बनाया है। इससे कंपनी की मार्केट कैप में भी जोरदार इजाफा हुआ है। आरआईएल की मार्केट कैप बढ़कर 10.64 लाख करोड़ रुपए हो गई है। आपको बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज कर्ज मुक्त हो गई है। कंपनी ने पिछले 58 दिनों में 1,68,818 करोड़ रुपए जुटाए हैं। रिलायंस ने राइट्स से भी 53,124.20 करोड़ रुपए जुटाए हैं।इस कवायद के चलते ऋह्रु नेट डेट फी हो गई है। इसका मतलब ये है कि हश्चञ्ज लेवल पर ऋश्चस्रुह्लश्च पर कोई कर्ज नहीं है। कंपनी तय समय से पहले कर्ज मुक्त हो गई है। कर्ज मुक्त के लिए 31 मार्च 2021 का लक्ष्य था। मुकेश अंबानी ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि शेयरधारकों से किया वादा पूरा हो गया है। हमने 31 मार्च 2021 के अपने तय कार्यक्रम के अपने तय कार्यक्रम से पहले रिलायंस नेट को कर्ज़ मुक्त कर दिया। शेयर बाजार की गिरावट में भी रिलायंस इंडस्ट्री के शेयर ने शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले तीन महीने में शेयर ने 75 फीसदी का रिटर्न दिया है।

चीनी सामानों के बॉयकॉट से चीन को लग सकता है 17 अरब डॉलर का झटका

कोलकाता।

पूर्वी लद्दाख में चीन की हरकत के बाद देश में चीनी सामान के बहिष्कार की मांग जोर पकड़ रही है। कारोबारियों ने भी केंद्र सरकार से मांग की है कि वह ई-कॉमर्स कंपनियों को चीन में बने सामान की बिक्री बंद करने का आदेश दे। चीन से भारत को होने वाले कुल आयात में से रिटेल ट्रेडर्स करीब 17 अरब डॉलर का सामान बेचते हैं। इनमें ज्यादातर खिलौने, घरेलू सामान, मोबाइल, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक सामान और कॉस्मैटिक उत्पाद शामिल हैं। अगर चीन से ये सामान आना बंद होता है तो इससे ये सामान बनाने वाली घरेलू कंपनियों को फायदा होगा। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के महासचिव वी के बंसल ने कहा, हमने अपने सद्स्यों को चीनी माल का स्टॉक निपटाने को कहा है। साथ ही उनसे कहा गया है कि वे वहां से आगे सामान मंगाने में परहेज करें। साथ ही हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह ई-कॉमर्स कंपनियों को चीनी माल बेचने से रोके। कनफेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील पोद्दार का भी कहना है कि एसोसिशन ने अपने सदस्यों को चीनी माल का कारोबार बंद करने की सलाह दी है। कारोबारियों की एक ओर राष्ट्रीय संस्था द कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने भी चीनी सामान के बहिष्कार का फैसला किया है। इसके लिए संगठन 'भारतीय सामान-हमारा अभिमान' नाम से एक अभियान भी चला रहा है। सामान-हमारा अभिमान' नाम से एक अभियान भी चला रहा है। इसके लिए संगठन 'भारतीय सामान-हमारा अभिमान' नाम से एक अभियान भी चला रहा है। सीएआईटी ने 450 तरह के सामान की एक व्यापक सूची जारी की है जिनमें करीब 3000 चीनी उत्पाद हैं। साथ ही उसने देश की कई सेलिब्रिटी को एक पत्र लिखकर उन्हें चीन में बने सामान का प्रचार बंद करने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में चीन और भारत के सैनिकों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। 15 जून की रात दोनों पक्षों में हुई हिंसक झड़प में एक कर्नल समेत 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए। इस घटना से बाद पूरे देश में गुस्सा है और चीनी सामान के बहिष्कार की मांग जोर पकड़ रही है।

एसबीआई ग्राहकों के लिए जरूरी सूचना, 21 जून को बंद रह सकती है ये सर्विसेज

बिजनेस डेस्क। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने ट्विटर हैंडल से जानकारी दी कि 21 जून 2020 को उसकी ऑनलाइन सर्विसेज बंद रह सकती है। ऐसे में अगर आप किसी ऑनलाइन ट्रांजैक्शन का प्लान बना रहे हैं तो इसके हिसाब से ही बनाएं। कुछ दिन पहले ही स्क्चढ्ढ के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ग्राहकों को ट्रांजैक्शन करने में समस्या आ रही थी। गुरुवार को ने अपने एक ट्वीट में लिखा, बैंक अपने कुछ एप्लीकेशंस के लिए नए इनवायरमेंट को लागू कर रहा है। इसलिए 21 जून को बैंक की ऑनलाइन सर्विसेज एक्सेस करने में समस्या आ सकती है। हम ग्राहकों से अनुरोध करते हैं कि इस असुविधा से बचने के लिए वो प्लान कर लें। बता दें कि इसके पहले 13 और 14 जून को की ऑनलाइन सर्विसेज ढंग से काम नहीं कर ही थी, जिसके बाद कई ग्राहकों ने एसबीआई से इस बारे में शिकायत भी की थी। कस्टमर्स के शिकायत को लेकर स्क्चढ्ढ के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जवाब भी दिया गया। ऐसे कई ट्वीट्स की रिप्लाई में एसबीआई ने कहा कि जल्द ही उसकी सेवाएं शुरू हो जाएंगी। एक कस्टमर कहा कहना था कि 13 जून की सुबह से ही बैंक की सर्विसेज ठप पड़ी हैं, इस वजह से उन्हें अपने बैंक अकाउंट से ट्रांजैक्शन करने में परेशानी हो रही है।

RIL ने 58 दिन में जुटाए 168,818 करोड़ रुपए, मुकेश अंबानी ने कहा- कर्जमुक्त का वादा पूरा

बिजनेस डेस्क।

मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 58 दिन में कुल 168,818 करोड़ रुपए जुटा लिए है। कंपनी ने ये रकम राइट्स इश्यू और टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो में हिस्सेदारी बेचकर जुटाए है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को घोषणा की कि रिलायंस ने दुनिया के टॉप वित्तीय निवेशकों से अपनी डिजिटल इकाई में प्राप्त रिकॉर्ड निवेश और मेगा शेयर बिक्री के जरिए मार्च 2021 से पहले नेट डेट फी यानी कर्जमुक्त होने के लक्ष्य को हासिल कर लिया है। आपको बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज कर्ज मुक्त हो गई है। कंपनी ने पिछले 58 दिनों में 1,68,818 करोड़ रुपए जुटाए हैं। रिलायंस ने राइट्स से भी 53,124.20 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस कवायद के चलते नेट डेट फी हो गई है। इसका मतलब ये है कि लेवल पर पर कोई कर्ज नहीं है। कंपनी तय समय से पहले कर्ज मुक्त हो गई है। कर्ज मुक्त के लिए 31 मार्च 2021 का लक्ष्य था। मुकेश अंबानी ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी और खुशी हो रही है कि शेयरधारकों से किया वादा पूरा हो गया है। हमने 31 मार्च 2021 के अपने तय कार्यक्रम से पहले रिलायंस नेट को कर्ज़ मुक्त कर दिया। मुकेश अंबानी ने कहा, रिलायंस के डीएनए में ही निवेशकों की उम्मीदों पर हमेशा खरा उतरना है। रिलायंस इंडस्ट्री के एक कर्ज़मुक्त कंपनी बनने पर मुझे गर्व है। उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि रिलायंस अपने स्वर्ण दशक में और अधिक महत्वाकांक्षी विकास लक्ष्यों को स्थापित करेगा। हमारे संस्थापक, धीरूभाई अंबानी के विजन को पूरा करना हमारा लक्ष्य है। भारत की समृद्धि और विकास के लिए हम लगातार कदम उठाते रहेंगे। आपको बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गुरुवार को जियो प्लेटफॉर्म्स में 11वें निवेश का ऐलान किया।

भारत की समृद्धि और विकास के लिए हम लगातार कदम उठाते रहेंगे। आपको बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गुरुवार को जियो प्लेटफॉर्म्स में 11वें निवेश का ऐलान किया।

बीते 9 सप्ताह में लगातार 10 निवेशकों के बाद सऊदी अरब की सॉवरेन वेल्थ फंड 2.32 फीसदी हिस्सेदारी के लिए जियो प्लेटफॉर्म्स में 11,367 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। 22 अप्रैल के बाद जियो प्लेटफॉर्म्स में यह 11वां निवेश है। इसके साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज की इस इकाई ने बीते 9 सप्ताह में वैश्विक निवेशकों को 24.7 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 1.15 लाख करोड़ रुपए जुटा लिए हैं।

चीन को आर्थिक मोर्चे पर भारत का करारा जवाब, बीएसएनएल ने टेंडर छीन कर की शुरुआत

नई दिल्ली ।

सीमा विवाद को लेकर भारत के साथ खूनी संघर्ष का बदला मैदान-ए-जंग में भारत किस तरह लेगा यह भविष्य की बात है लेकिन तत्काल प्रभाव से चीन को आर्थिक रूप से घायल करने की तैयारी हो गई है।बता दें कि बॉर्डर पर चीन की गुस्ताखी का सेना ने मुंहतोड़ जवाब तो दिया ही। अब आर्थिक मोर्चे पर भी चीन को उसकी हरकतों की सजा देने की शुरुआत हो गई है। बुधवार को सरकारी स्तर पर फैसला हो गया है कि टेलीकॉम मंत्रालय के अधीन काम करने वाली कंपनी बीएसएनएल की 4जी टेक्नोलॉजी की स्थापना में चीन की कंपनियों को दूर रखा जाएगा। चीनी कंपनियों पर लगा बैन। (फाइल फोटो)भारत सरकार ने सरकारी टेलिकॉम कंपनियों से किसी भी चीनी कंपनी के इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल न करने को कहा है। भारत संचार निगम लिमिटेड और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड द्वारा चीन के टेंडर को कैंसिल कर दिया गया है। साथ ही, प्राइवेट मोबाइल फोन ऑपरेटर्स के लिए भी जैसे चीनी ब्रैंड्स से दूर रहने का नियम बनाया जा रहा है।सरकार द्वारा से कहा गया है कि वे अपने टेंडर में बदलाव करें। इस आदेश का के भारत में कारोबार पर गहरा असर पड़ेगा। देश के से ये दोनों कंपनियां प्रतिबंधित कर दी गई हैं। भारतीय टेलिकॉम इक्विपमेंट का एनुअल मार्किट 12,000 करोड़ रुपये है। इसमें से एक-चौथाई पर चीन का कब्जा है। बाकी में स्वीडन की एरिक्सन, फिनलैंड की नोकिया और साउथ कोरिया की सैमसंग शामिल है। भारतीय एयरटेल और वोडाफोन, दोनों ही और ज्ञश्व के साथ काम करते हैं।चीन के खिलाफ प्रतिशोध का भारत का पहला कदम, टेलीकॉम क्षेत्र में चीनी कंपनियों पर लगेगा प्रतिबंधएक अधिकारी ने कहा कि हमे टेलिकॉम मैनुफैक्चरर्स से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि चीन भारतीय टेलिकॉम इक्विपमेंट्स का इम्पोर्ट नहीं होने दे रहा है, बल्कि अपने टेलिकॉम गियर को सब्सिडी देता है जिससे भारतीय बाजार में उनके दाम बेहद कम हो जाती है।

इसका नतीजा ये होता है कि स्वदेशी टेलीकॉम इक्विपमेंट्स मैनुफैक्चरर्स आगे नहीं बढ़ पाते। उन्होंने कहा कि सरकार देश की सुरक्षा के लिए फैसले ले रहा है। जल्दी ही, प्राइवेट प्लेयर्स से भी बात कर चीन को दूर रखने की रणनीति बनाई जाएगी।

कोरोना संकट के बीच अमेजन दे रहा हर घंटे पैसे कमाने का मौका, लाभ लेने के लिए करना होगा काम

नई दिल्ली ।

अमेजन इंडिया ने आज देश के 35 से ज्यादा शहरों में अमेजन फ्लेक्स डिलीवरी प्रोग्राम के विस्तार की गुरुवार को घोषणा की। इस वैश्विक डिलीवरी प्रोग्राम को पिछले वर्ष जून में लॉन्च किया गया था और इसका लक्ष्य पार्ट टाइम काम के अवसर निर्मित करना था, जहां लोग खुद के बॉस बनें, खुद का शेड्यूल बनायें और अमेजन के ग्राहकों को पैकेज की डिलीवरी कर प्रति घंटा 120 से 140 रुपए कमाएं। जून 2019 में यह प्रोग्राम केवल तीन शहरों तक सीमित था, जो जून 2020 में 35 शहरों तक पहुंच गया। इस विस्तार ने मेट्रो शहरों और नॉन-मेट्रो शहरों, जैसे रायपुर, हुबली, ग्वालियर और नासिक आदि में लोगों के लिए पार्ट-टाइम काम के हजारों अवसर निर्मित किए हैं। अमेजन फ्लेक्स प्रोग्राम के विस्तार से कंपनी की डिलीवरी क्षमता बढ़ाने से ऐसे समय में और मदद मिलेगी, जब देशभर के ग्राहक अपने घर पर उत्पादों की सुरक्षित आपूर्ति के लिए अमेजन इंडिया की सेवाओं पर निर्भर हैं। इंडिया के लास्ट माइल ट्रांसपोटेर्शन के निदेशक प्रकाश रोचलानी ने कहा,पिछले एक वर्ष में हमें अमेजन फ्लेक्स प्रोग्राम के लिएहजारों ऐसे लोगों से बेहतरीन रिस्पांस मिला है, जिन्हें अमेजन के ग्राहकों को डिलीवरी कर लाभ पहुंचा है। अमेजन फ्लेक्स के पार्टनर्स पार्ट टाइम काम के अवसर का आनंद लेते हैं और अपने खाली समय में कमाई करते हैं, खासकर इस समय, जब देशव्यापी लॉकडाउन के प्रभाव से देश की अर्थव्यवस्था उबर रही है। उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम उचित सावधानियां बरत रहे हैं और हमने ढ़ेरों स्वास्थ्य उपाय लागू किए हैं। हम 35 से अधिक शहरों में इस प्रोग्राम का दायरा बढ़ा रहे हैं और इसके जरिये अमेजन फ्लेक्स ग्राहकों की सेवा के महत्व में भारी वृद्धि करेगा, ताकि वे घर पर रहें और सामाजिक दूरी का पालन करें।अपने लॉन्च के बाद से इस प्रोग्राम ने ऐसे छात्रों, गृहिणियों और लोगों के लिए अवसर निर्मित किए हैं, जो अपने खाली समय में अमेजन के पैकेजेस की डिलीवरी कर अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं। इच्छुक डिलीवरी पार्टनर्स साइन-अप कर अपना शेड्यूल चुन सकते हैं और पैकेजेस डिलीवर कर सकते हैं- वो ये सब अमेजन फ्लेक्स एप के इस्तेमाल से कर सकते हैं। अमेजन अपने एसोसिएट्स, पार्टनर्स, कर्मचारियों और ग्राहकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिएप्रतिबद्ध है और कंपनी ने इसके लिए ।

उत्तर प्रदेश में तीन साल में 47 लाख किसानों को किया गया एक लाख करोड़ रुपए का गन्ने का भुगतान

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में 2017-2020 की अवधि में अब तक 47.20 लाख गन्ना किसानों को एक लाख करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 2017-2020 के मध्य गन्ना किसानों के हित में किए गए प्रयासों के फलस्वरूप एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का रिकार्ड गन्ना मूल्य भुगतान सम्भव हो सका, यह भुगतान इससे पूर्व के तीन वर्षो के सम्मिलित गन्ना मूल्य भुगतान 53,367 करोड़ रुपए से भी 46,633 करोड रुपए अधिक है। एक सरकारी बयान के मुताबिक शुक्रवार को अपने आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017-2020 के मध्य गन्ना किसानों को किया गया यह गन्ना मूल्य भुगतान 2012-2017 के शासन काल के कुल गन्ना मूल्य भुगतान 95,215 करोड़ रुपए से भी 4,785 करोड़ रुपए अधिक है। वर्ष 2012-2017 के मध्य का भी 4,466 करोड़ रुपए का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान भी 2017-2020 के मध्य ही कराया गया है। गौरतलब है कि 2012 से 2017 के बीच उप्र में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी की सरकार थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार का चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग कोरोना महामारी की इस देशव्यापी विभीषिका के दौरान भी गन्ना किसानों के आर्थिक हितों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता को निभाने की कड़ी में लॉकडाउन की अवधि के दौरान जब प्रदेश एवं देश के अधिकतर उद्योग बन्द रहे तब केवल उत्तर प्रदेश की चीनी मिले अनवरत संचालित रही जिससे कृषकों के गन्ने की आपूर्ति निर्बाध रूप से चीनी मिलों को हो सकी।

लगातार 13वें दिन बढ़ी पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत लगातार 13वें दिन बढ़ते हुए शुक्रवार को 78 रुपए प्रति लीटर और डीजल का मूल्य 77 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गया। देश में पेट्रोल-डीजल के दाम सात जून से लगातार बढ़ रहे हैं। इन 13 दिनों में पेट्रोल 7.11 रुपए यानी 9.98 प्रतिशत और डीजल 7.67 रुपए यानी 11.05 प्रतिशत महंगा हो चुका है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत शुक्रवार को 56 पैसे बढ़कर 78.37 रुपए प्रति लीटर हो गई जो 07 नवंबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल के मूल्य में 63 पैसे की वृद्धि के साथ यह पहली बार 77 रुपए के पार 77.06 रुपए प्रति लीटर बिका। पेट्रोल की कीमत कोलकाता में 54 पैसे बढ़कर 80.13 रुपए, मुंबई में 55 पैसे बढ़कर 85.21 रुपए और चेन्नई में 50 पैसे बढ़कर 81.82 रुपए प्रति लीटर रही। डीजल कोलकाता में 57 पैसे महंगा होकर 72.53 रुपए, मुंबई में 60 पैसे महंगा होकर 75.53 रुपए और चेन्नई में 54 पैसे की वृद्धि के साथ 74.77 रुपए प्रति लीटर बिका। पेट्रोल-डीजल के भाव रोजाना बदलते हैं और सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज़ का रेट आप स्स्र के जरिए भी जान सकते हैं । इंडियन ऑयल के कस्टमर लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं।

वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना के बीच अगस्त में फिर से शुरू होंगे एटीपी और डब्ल्यूटीए टूर

वाशिंगटन। पेशेवर टेनिस संघ (एटीपी) और महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) ने अपना नया कैलेंडर जारी करते हुए अगस्त में पुनः खेल गतिविधियों को शुरू करने की घोषणा की है। एटीपी टूर 14 अगस्त को वाशिंगटन में सिटी ओपन, एटीपी 500 इवेंट के साथ फिर से शुरू होगा जबकि तीन अगस्त से इटली के पालेर्मो में पहले डब्ल्यूटीए इवेंट का आयोजन किया जाएगा। डब्लूटीए के अध्यक्ष और सीईओ स्टीव सिमोन ने कहा, 'अपने चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ इस वर्ष के बाकी बचे महीनों में यात्रा के लिए वैश्विक दृष्टिकोण का आकलन करने और कोविड-19 के मद्देनजर विभिन्न चुनौतियों को समझने के बाद डब्ल्यूटीए 2020 ने बचे हुए सत्र का कैलेंडर जारी किया है। एटीपी के अध्यक्ष आंद्रिया गौडेंजी ने कहा, 'हमारा उद्देश्य जितना संभव हो सके उतने टूर्नामेंटों का फिर से समय निर्धारण करना है। यह सामूहिक प्रयास रहा है और हम उम्मीद करते हैं कि जैसे ही मामला आगे बढ़ेगा हम कैलेंडर में और अधिक इवें को जोड़ सकते हैं।

विश्व शतरंज

पहला फीडे महिला स्विस टूर्नामेंट -भारत की पदमिनी राऊत को हराकर उक्रेन की अन्ना ग्रां प्री मे पहुंची

मॉस्को (एजेंसी)।

विश्व शतरंज संघ द्वारा विश्व महिला स्पीड शतरंज के पहले पड़ाव स्विस टूर्नामेंट के मुक़ाबले शुरू हो गए है और पहले दिन हुए टूर्नामेंट मे दुनिया भर की दिग्गज महिला ग्रांड मास्टरों और इंटरनेशनल मास्टरों नें भाग लिया । रूस की गुनिना वालेंटीना 9 राउंड के टूर्नामेंट मे 8 अंक बनाकर पहले स्थान पर रही पर अगले चरण मे जाने के लिए इतना काफी नहीं था क्यूंकी शीर्ष 8 खिलाड़ियों को प्ले ऑफ मुक़ाबले खेलने थे और यही से रोमांच शुरू हुए उनके अलावा शीर्ष 8 मे बुल्गारिया की अंटोनेटा स्टेफ़नोवा ,उज्बेस्तान की टोखिर्जोनोवा ,चीन की निंग काइयू ,रूस की आलेक्सान्द्रा गोरयाचकिना ,उक्रेन की अन्ना उसेनिया ,भारत की पदमिनी राऊत और रूस की पोलिना शुवलोवा रही । और इन शीर्ष 8 खिलाड़ियों के बीच दूसरे चरण का प्ले ऑफ मुक़ाबला खेला गया । भारत की पदमिनी राऊत नें शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले पहले प्ले ऑफ मे बुल्गारिया की पूर्व विश्व चैम्पियन अंटोनेटा स्टेफ़नोवा को 2-1 से मात देते हुए अंतिम चार मे जगह बना ली जबकि अन्य मुकाबलों मे उसेनिया नें टोखिर्जोनोवा को ,गुनिना नें पोलिना को तो निंग नें गोरयाचकिना को मात देते हुए अंतिम चार मे जगह बनाई और अब बात थी अंतिम दो स्थान की जिसमें भारत की पदमिनी को अन्ना उसेनिया के हाथो 2-0 से हार का सामना करना पड़ा जबकि गुनिना वालेंटीना को चीन की निंग के हाथो 2-0 से हार मिली और इस तरह पहले दिन की समाप्ती पर चीन की निंग काइयू और उक्रेन की अन्ना उसेनिया स्पीड महिला शतरंज के तीसरे दौर मे पहुँच गयी है ।

पहले दिन अन्य भारतीय खिलाड़ियों मे आर वैशाली 12 वे तो हरिका द्रोणावल्ली 13 वे स्थान पर रही पांच और स्विस क्वालीफायर टूर्नामेंट 19 जून से 23 जून तक होंगे।

लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद हॉकी खिलाड़ियों को दी गई एक महीने की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोविड-19 लॉकडाउन के कारण बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केन्द्र में पिछले दो महीने से फंसे भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों को शुक्रवार को एक महीने का अवकाश दिया गया जिससे वह परिवार के साथ समय बिता सकें। भारत सरकार ने 25 मार्च से जब देशभर में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन की घोषणा की थी तब पुरुष और महिला हॉकी टीम के खिलाड़ी दक्षिण बेंगलुरू स्थित साइ के केन्द्र में थे। अवकाश मिलने के बाद शुक्रवार को टीम के ज्यादातर खिलाड़ी अपने घरो के लिए रवाना हो गए। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा- एक महीने का अवकाश मिलने के बाद शुक्रवार को ज्यादातर खिलाड़ी अपने घर को लौट गए। उन्हें घर की काफी याद आ रही थी और उन्होंने खेल मंत्री किरेन रीजीजू को एक ऑनलाइन सम्मेलन में इस बारे में बताया था। पुरुष टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा और महिला टीम की वंदना कटारिया, सुशीला चानू और लालरेमसियामी के अलावा भी खिलाड़ी अपने घर को लौट गए। सूत्र ने कहा कि सूरज के गृहनगर मुंबई में स्थिति अच्छी नहीं है इस लिए वह यही रूके है। वंदना, सुशीला और लालरेमसियामी अपने-अपने राज्यों में लागू कोविड-19 प्रोटोकॉल के कारण नहीं गए। लालरेमसियामी अपने-अपने राज्यों में लागू कोविड-19 प्रोटोकॉल के कारण नहीं गए सुशीला मणिपुर से है जबकि वंदन उत्तराखंड और लालरेमसियामी मिजोरम से है। टीम के सीनियर गोलकीपर और पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने ट्वीट कर कहा- घर की तरफ जा रहा हूं। बेंगलुरू में सौ दिन से अधिक समय बिताया श्रीजेश केरल से है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर प्रतिबंध के कारण मुख्य कोच ग्राहम रीड सहित पुरुष टीम के सहयोगी स्टाफ को बेंगलुरू में रूकना पड़ा। महिला टीम के कोच शुअर्ड मारिन और विश्लेषणात्मक कोच जनेके शोपमैन नीदरलैंड से है और दोनों मुंबई से अपने घर वापस जा रहे हैं। यह पता चला है कि दोनों टीमें 19 जुलाई को बेंगलुरु के साइ केन्द्र में फिर से इकट्ठा होंगी।

गोल्फ, स्कूल खेलों, नौकायन के राष्ट्रीय महासंघों को सरकार से अस्थायी मान्यता मिली

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय ने अपने पहले के फैसले की समीक्षा के बाद गोल्फ, स्कूल खेलों और नौकायन के राष्ट्रीय शासी निकायों को अस्थायी मान्यता देने का फैसला किया है । दिल्ली उच्च न्यायालय में खेल मंत्रालय ने एक याचिका दायर की जिसके बाद इस बारे में पता चला। मंत्रालय से 11 मई को सितंबर तक के लिए 54 राष्ट्रीय खेल महासंघों को अस्थाई मान्यता दी थी लेकिन भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू), भारतीय स्कूल खेलों महासंघ (एसजीएफआई) और भारतीय नौकायन महासंघ (आरएफआई) को मान्यता नहीं दी थी। राष्ट्रीय खेल महासंघों की मान्यता आम तौर पर वार्षिक होती है, लेकिन इस बार मंत्रालय ने इसे सितंबर तक ही बढ़ाने का फैसला किया जिस पर भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा के सवाल उठाया था। मंत्रालय ने 16 जून को एक हलफनामे में आईजीयू, एसजीएफआई और आरएफआई के ' सरकारी मान्यता के निलंबन / रोक को बहाल करने के अपने निर्णय की जानकारी दी। आईजीयू की मान्यता को 11 नवंबर 2018 को चुनाव नहीं करने के कारण खत्म कर दिया गया था क्योंकि अलीपुर की जिला अदालत ने 15 दिसंबर, 2018 को होने वाली वार्षिक आम सभा (एजीएम) की बैठक पर रोक लगा दी। कोलकाता उच्च न्यायालय ने इस साल 19 फरवरी को एक आदेश में एजीएम रखने पर रोक लगा दी। आईजीयू ने तब 23 मार्च को चुनाव कराने का फैसला किया लेकिन कोरोना वायरस के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के मद्देनजर उसे स्थगित करना पड़ा। आईजीयू ने इसके बाद सरकारी मान्यता के विस्तार के लिए अनुरोध किया।

नासिर हुसैन ने रोहित को दिया ऑस्ट्रेलिया में सफलता पाने का गुरुमंत्र, बोले सब कुछ

कोलकाता (एजेंसी) ।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने इस साल के अंत में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट में सफल होने के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में रोहित शर्मा को गुरुमंत्र दिया है। हुसैन ने कहा- वह अच्छा प्रदर्शन कर सकते है बशर्ते पहले आधे घंटे सावधानी से बल्लेबाजी करें। रोहित ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी पहले टेस्ट श्रृंखला में तीन शतक लगाए थे जिसमें एक दोहरा शतक शामिल था। इसके बाद वह चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड दौरे पर नहीं जा पाए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे उनके लिए इस प्रारूप में सलामी बल्लेबाज के तौर पर कड़ी चुनौती पेश करेगा। हुसैन ने सोनी टेन चैनल के कार्यक्रम 'पिट स्टॉप' से कहा- अगर रोहित शर्मा टेस्ट मैच के सलामी बल्लेबाज नहीं हैं, तो मैं शायद एक अलग खेल देखूंगा। आप अगर मौजूदा दौर के क्रिकेटरों से उनके पसंदीदा खिलाड़ी के बारे में पूछेंगे तो उनमें से कई रोहित शर्मा का नाम लेंगे। उन्होंने कहा- इस दौर के खिलाड़ी रोहित की बल्लेबाजी देखकर कहते है कि इसके पास शॉट लगाने के लिए काफी समय होता है। एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके रोहित ने अब तक सिर्फ 32 टेस्ट खेले है। हुसैन ने कहा- टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर क्रीज पर समय बिताना होता है, यहां तकनीक की भी जरूरत होती है। आपको अपने ऑफ स्टंप का वैसे ध्यान रखना होता है जैसे विराट कोहली ने

इंग्लैंड के पिछले दौरे पर जेम्स एंडरसन के खिलाफ किया था। इससे वह इंग्लैंड के पहले के दौरे की असफलता से उबरने में सफल रहे थे, यह टेस्ट क्रिकेटर की पहचान है। उन्होंने कहा- भारतीय टीम जब विदेशी दौरे पर जाए और गेंद स्विंग हो तो रोहित को भी ऐसा ही करना होगा। उसे सिर्फ आधा घंटा बिताना है और गेंदबाज से कहना है कि मैं अगले आधे घंटे तक स्लिप में खड़े खिलाड़ी की भूमिका को खत्म कर दूंगा। भारतीय टीम को इस साल के आखिरी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चार टेस्ट मैच खेलने है।

संक्षिप्त समाचार

दिग्गज क्रिकेटर बोला- राहुल फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलें, अंजिक्य रहाणे खेलें टेस्ट

मुंबई । पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि अंजिक्य रहाणे भले ही टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले दो वर्षों की तरह प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है लेकिन तब भी वह इस पारंपरिक प्रारूप में भारत के नंबर पांच बल्लेबाज के लिए सबसे उपयुक्त है। इस पूर्व टेस्ट बल्लेबाज का मानना है कि केएल राहुल ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इसे पांच दिवसीय प्रारूप में रहाणे की जगह उन्हें रखने का मानदंड नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के बल्लेबाज को घरेलू प्रथम श्रेणी मैचों में बड़े स्कोर बनाने की जरूरत है। मांजरेकर ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपने ट्विटर फालोअर्स के सवालों के जवाब देते हुए कहा- केएल राहुल ने नंबर पांच पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हां रहाणे अब वैसा खिलाड़ी नहीं लगता जैसे वह अपने टेस्ट करियर के पहले दो वर्षों में दिख रहा था लेकिन मैं उन्हें फिर से उसी फार्म में वापसी करते हुए देखना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि रहाणे ने हालांकि हाल में टेस्ट क्रिकेट में कुछ रन बनाए हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता होनी चाहिए। भारत की तरफ से 37 टेस्ट खेलने वाले मांजरेकर ने कहा- आखिर बार जब वह (राहुल) टेस्ट क्रिकेट खेला था तो बहुत प्रभावशाली नहीं रहा था। सलामी जोड़ी के तौर पर रोहित शर्मा और मयंक अग्रवाल ठीक है। सॉव भी ठीक है लेकिन अगर रोहित शर्मा फिट है तो फिर उसे मौका मिलना चाहिए। सॉव आपका दूसरा विकल्प होगा। वहीं, विराट को मांजरेकर ने तीनों प्रारूपों के लिए फेवरेट बताया।

रीयाल मैड्रिड ने वेलेंसिया को 3-0 से हराकर बार्सिलोना के साथ खिताबी जंग बरकरार रखी

मैड्रिड। करीम बेंजेमा के दो गोल की मदद से रीयाल मैड्रिड ने वेलेंसिया को 3-0 से हराकर स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा में बार्सिलोना के साथ खिताबी जंग बरकरार रखी। रीयाल मैड्रिड अपने घरेलू मैदान पर दर्ज की गई इस जीत से बार्सिलोना से अब केवल दो अंक पीछे रह गया है। बार्सिलोना ने मंगलवार को लीगानेस को 2-0 से हराया था जो उसकी वापसी के बाद दूसरी जीत है। कोरोना वायरस महामारी के कारण लीग लगभग तीन महीने तक ठप्प रही थी। पहले हाफ में मैड्रिड की टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी लेकिन दूसरे हाफ में उसने जल्द ही खेल पर नियंत्रण बना दिया। पहले हाफ में वेलेंसिया ने गोल कर दिया था लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद यह गोल अमान्य करार दिया गया। बेंजेमा ने 61वें मिनट में एडेन हेजार्ड के पास पर अपना पहला गोल किया। पिछले साल घुटने की चोट से जूझने के बाद पहली बार खेल रहे मार्को एसेन्सिया ने 74वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर कदम रखा और 30 सेकेंड के अंदर गोल भी दाग दिया। बेंजेमा ने 86वें मिनट में अपना दूसरा और टीम की तरफ से तीसरा गोल किया।

अब वकार युनिस ने सरफराज अहमद को घेरा, बोले- उनका यह फैसला मूर्खतापूर्ण था

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और कोच वकार युनिस ने भी पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को भारत के खिलाफ अहम मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनने के फैसले को मुर्खतापूर्ण बताया है। वकार ने कहा- इंग्लैंड में खेले गए वनडे विश्व कप में पाकिस्तान ने एक गलती भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को कमजोर आंककर भी कर दी। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर 16 जून 2019 को खेले गए इस मैच में भारत ने डकवर्थ लुइस प्रणाली से पाकिस्तान को 89 रन से करारी शिकस्त दी थी। वकार ने कहा- मुझे लगता है टॉस जीतकर पाकिस्तान का गेंदबाजी करना मूर्खतापूर्ण फैसला था। उस पिच पर पहले बल्लेबाजी कर बड़ा स्कोर के साथ दबाव बनाना चाहिए था। उस दिन पाकिस्तान के गेंदबाजों को मदद नहीं मिली और भारत का प्रदर्शन कमाल का था। विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ यह भारत की 7वीं जीत थी जबकि पाकिस्तान अभी तक एक भी मैच जीतने में सफल नहीं रहा है। वकार ने कहा- पाकिस्तान को लगा था कि वह पहले गेंदबाजी कर भारतीय शीर्षक्रम को सस्ते में निपटा देगा जिससे भारतीय टीम दबाव में आ जाएगी, लेकिन भारत के पास शीर्षक्रम में शानदार बल्लेबाज थे। उन्होंने कहा- मुझे लगता है पाकिस्तान ने उस मैच में टॉस जीत कर गेंदबाजी का करने का गलत फैसला कर लिया था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि शुरूआत में पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी और टीम भारत के सलामी बल्लेबाजों को जल्दी पवेलियन भेज कर दबाव बना लेगी। वकार ने विश्व कप में सचिन की पाकिस्तान के खिलाफ 2003 में खेली गई 98 रनों की पारी को सर्वश्रेष्ठ करार दिया। दक्षिण अफ्रीका में खेले गए इस मैच में 274 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर का पीछा करते हुए तेंदुलकर ने ताबड़तोड करिश्माई बल्लेबाजी की लेकिन शतक से दो रन से चूक गए। भारत ने इस मैच को छह विकेट से जीता था। वकार बोले- वसीम अकरम और मेरे ऊपर दबाव बनाया जिस तरह सचिन ने शोएब अख्तर, वसीम अकरम और मेरे ऊपर दबाव बनाया और जिस तरह से आक्रमण किया और तेजी से रन बटोरे, मुझे लगता है कि यह अद्भुत पारी थी।

जो रूट से 'गे' वाले विवाद पर शैनोन गैब्रियल ने साल बाद तोड़ी चुप्पी, कही बात

मैनचेस्टर (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शैनोन गैब्रियल ने कहा कि वह पिछले साल उनके और इंग्लैंड के कप्तान जो रूट से जुड़े विवाद को भुलाकर आगामी टेस्ट श्रृंखला में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। गैब्रियल ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ 8 जुलाई से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले उनके मन में मेजबान टीम के लिए किसी तरह की बदले की भावना नहीं है। सेंट लूसिया में फरवरी 2019 में खेले गए मैच के दौरान रूट के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के कारण गैब्रियल पर चार मैचों का प्रतिबंध लगा दिया गया था हालांकि उन्होंने क्या कहा था इसको कभी सार्वजनिक नहीं किया गया। स्टंप माइक्रोफोन पर रूट को गैब्रियल से कहते हुए सुना गया था कि इसे अपमानजनक तरह से उपयोग नहीं करो। समलैंगिक होने में कुछ भी गलत नहीं है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज की टिप्पणी हालांकि पता नहीं चली थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गैब्रियल पर चार मैच का प्रतिबंध और मैच शुल्क का 75 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया था। गैब्रियल ने कहा- ईमानदारी से कहूं तो यह अब बीती बात है। मैं इसके बारे में बहुत नहीं सोच रहा हूं। जो भी हुआ और जो कुछ भी कहा गया मैं उसको याद नहीं करना चाहता। मैं केवल भविष्य पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। गैब्रियल बोले- अगर मेरा चयन होता है तो मैं यहां अच्छी क्रिकेट खेलने और वेस्टइंडीज के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए आया हूं। मुझे लगता है कि उस मामले को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया। जो बात बताई गई वह पूरी तरह से सच नहीं है लेकिन मैं उसे भुलाकर आगे बढना चाहता हूं।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने नपोली के प्रशंसकों के जश्न की निंदा की

रोम। नपोली के हजारों फुटबॉलप्रेमी कोरोना वायरस महामारी के बीच सामाजिक दूरी के निर्देशों की परवाह किये बिना इटालियन कप में अपनी टीम की खिताबी जीत का जश्न मनाने सड़कों पर उमड़ पड़े जिनकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने निंदा की है । विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहायक महासचिव रानियेरी गुएरा ने कहा है कि ये दृश्य देखकर उन्हें फरवरी में वालेंशिया के खिलाफ अटलांटा के चैम्पियंस लीग मैच की यादें ताजा हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार उस मैच के बाद ही वायरस बरगामो में बुरी तरह फैल गया । उन्होंने कहा '' गैर जिम्मेदाराना । इस समय इन चीजों की अनुमति नहीं दे सकते ।'' स्वास्थ्य उपमंत्री सैंड्रा जाम्पा ने इसे खतरनाक आचरण बताया । नपोली ने बुधवार की रात जैसे ही जुवेंटस को हराकर खिताब जीता, उसके प्रशंसक सड़कों पर उतर आये और पटाखे भी फोड़े ।किसी ने मास्क भी नहीं पहना था । इटली में कोरोना वायरस से करीब 35000 मौतें हो चुकी है । किसी ने मास्क भी नहीं पहना था । इटली में कोरोना वायरस से करीब 35000 मौतें हो चुकी है । किसी ने मास्क भी नहीं पहना था । इटली में कोरोना वायरस से करीब 35000 मौतें हो चुकी है । एपी मोना मोना 1906 1806 रोम।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 : तैयारियां शुरू व्हीलचेयर इवेंट होगा आकर्षण का केंद्र

सिडनी (एजेंसी) ।

टेनिस ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) क्रेग टिली ने कहा है कि वर्ष के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन के अगले वर्ष होने वाले आयोजन की रूपरेखा तैयार करने का काम किया जा रहा है। टिली ने कहा- हम ऑस्ट्रेलियन ओपन के सभी इवेंट और सभी खिलाडियों के साथ इसके जनवरी में आयोजन को लेकर आशान्वित हैं। टील ने व्हीलचेयर टेनिस पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी डायलन अलकोट के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया जिन्होंने इस सप्ताह यूएस ओपन से अपनी कैटेगरी को हटाए जाने पर सवाल खड़े किए थे। कोरोना महामारी के बावजूद यूएस ओपन के अगस्त के आखिर में अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होने की संभावना है और उस टूर्नामेंट में व्हीलचेयर इवेंट की कैटेगरी को शामिल नहीं किये जाने पर 10 बार के ग्रैंड स्लेम विजेता और पैरालम्पियन अल्कोट ने इसे 'घृणित भेदभाव' करार दिया है। टिली ने कहा- डायलन अलकोट टेनिस के एक जबरदस्त राजदूत हैं और उन्होंने यहां और दुनिया भर में हमारे खेल के लिए बहुत सम्मान अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि हम समझ सकते हैं कि वह यूएस ओपन में नहीं खेल पाने से कितने निराश होंगे और हम उन्हें जल्द ही अपने कोर्ट में देखेंगे। सुरक्षा प्रतिबंधों के कारण यूएस ओपन में क्वालीफाइंग, जूनियर और मिश्रित युगल स्पर्धाओं को भी शामिल नहीं किया जाएगा।

छेत्री को उम्मीद भारत को एशिया में शीर्ष दस में पहुंचा देंगे युवा

नई दिल्ली । भारतीय फुटबाल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा कि भारत को एशियाई देशों में शीर्ष दस में जगह बनाने को लक्ष्य लेकर चलना चाहिए और इसे वास्तविकता में बदलने के लिये युवा खिलाड़ियों को आगे आना होगा। छेत्री ने कहा कि अगर खिलाड़ियों का एक समूह अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह जूनियर खिलाड़ियों के लिये उदाहरण पेश कर सकते हैं जो इसके बाद अपने सीनियर से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे और इस पूरी प्रक्रिया से टीम को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने एआईएफएफ टीवी से लाइव चैट में कहा, ''वर्तमान भारतीय फुटबाल में आप राष्ट्रीय टीम को एशिया में शीर्ष दस में देखना चाहते हो। इसके लिये यह जरूरी है कि युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करें और सीनियर टीम में शामिल होने पर अच्छे परिणाम दें। '' भारतीय अंडर-16 टीम को एएफसी अंडर-16 चैंपियनशिप में कड़ा ड्रा सौंपा गया है। बिबियानो फर्नांडिस की कोचिंग वाली टीम ग्रुप सी में दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी। छेत्री ने कहा, ''मैं अंडर-16 टीम और इंडियन एरोज का बड़ा प्रशंसक हूं विशेषकर बिबियानो की अगुवाई में अंडर-16 टीम एक इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। '' भारतीय कप्तान ने कहा, ''उन्होंने वास्तव में अच्छी फुटबॉल खेली है और यह हर कदम पर सुधार करते हुए आगे बढ़ने से जुड़ा है। ये खिलाड़ी पिछली टीम (2018 एएफसी अंडर-16 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीम) से बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''इस तरह से जब यह टीम बेहतर परिणाम हासिल करेगी तो फिर अभी अंडर-14 में खेल रहे खिलाड़ी उससे भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिये तैयारी करेंगे क्योंकि वे उनसे बेहतर परिणाम हासिल करना चाहेंगे। आप लगातार अपने लिये बड़े लक्ष्य तय करना चाहते हो।' भारत की तरफ से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले छेत्री ने फीफा अंडर-17 विश्व कप 2017 में खेलने वाले खिलाड़ियों का उदाहरण दिया।

फिल्मी दुनिया

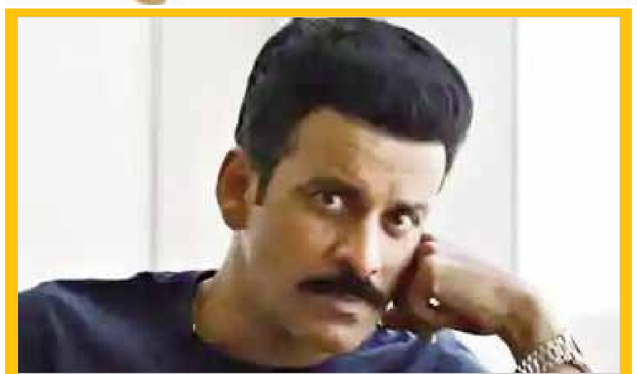

सुशांत को याद कर भावुक हुये मनोज वाजपेयी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी ने फिल्म 'सोन चिड़िया' में अपने सह कलाकार सुशांत सिंह राजपूत को एक ऊर्जावान अभिनेता बताया और कहा कि सुशांत अपने किरदार की बारीकियों को समझने के लिये काफी मेहनत करते थे।मनोज ने इंस्टाग्राम लाइव पर सुशांत के बारे में बातचीत में कहा कि मैंने सुशांत के साथ सोन चिड़िया में काम किया था। बहुत एनर्जी थी उसमें और वो अकेले में अपने किरदार की बारीकियों को समझने की कोशिश करता रहता था। वह स्पेस, एस्ट्रोनॉमी, तारों की दुनिया, ब्रह्मांड, एस्ट्रोफिजिक्स, क्वांटम फिजिक्स जैसे कई गंभीर विषयों पर बात करता था। उसके बाद इन विषयों से जुड़ी कई किताबें भी थीं। फिर उसने एक एडवांस टेलीस्कोप भी खरीदा हुआ था और वो उससे आसमां को देखा करता था। इतनी पॉजिटिविटी थी उसमें, बच्चों जैसी उत्सुकता थी और मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा है कि वो ऐसे हमें छोड़ कर चला गया है। भावुक मनोज ने कहा कि यह सब एक बुरे सपने जैसा है। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि ये सब रियलिटी नहीं है, कुछ और ही है। विश्वास ही नहीं हो रहा है कि हम चंद महीनों में ऐसे शानदार कलाकारों को खो चुके हैं। मुझे तो अब भी लग रहा है कि लॉकडाउन खत्म होगा तो ऋषि जी, इरफान और सुशांत वापस शायद लौट आएंगे। लोग सुशांत के जाने के साथ ही गुस्से में हैं, कई लोग सदमे में हैं। दरअसल उन्हें लग रहा है कि उनके बीच का कोई चला गया जो उनका प्रतिनिधित्व करता था। एक छोटे शहर का लड़का जो बॉलीवुड में स्टारडम हासिल करने में कामयाब रहा, उसका इस तरह दुनिया छोड़ कर चले जाना लोगों को रास नहीं आ रहा है लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि कुछ लोग होते हैं जो साल दर साल लगातार संघर्ष करते रहते हैं वहीं कुछ लोग बेहद संवेदनशील भी होते हैं और सबकी अपनी-अपनी यात्रा होती है और सबकी यात्राओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

तापसी ने बहन के साथ किया योग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू लॉकडाउन में अपनी बहन के साथ योग कर रही है।कोरोना वायरस की वजह से जब से लॉकडाउन लगा है, देश के ज्यादातर जिम बंद हैं। ऐसे में लोग या तो घर पर वर्कऑउट कर रहे हैं या वो योग में अपना विश्वास दिखा रहे हैं।तापसी पन्नू उन सेलेब्स में शुमार हैं जो अपनी फिटनेस का खासा ध्यान रखती हैं। वह इस समय जिम तो नहीं जा पा रही हैं, लेकिन अपनी सेहत के साथ किसी भी तरह की लापरवाही करती नहीं दिख रहीं। तापसी ने सोशल मीडिया पर अपनी बहन संग एक पोस्ट शेयर की है। फोटो में तापसी और उनकी बहन शगुन एक आसन के जरिए दिल बनाने की कोशिश कर रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए तापसी ने एक मैसेज देने की भी कोशिश की है। तापसी नेलिखा, घर तो वहीं होता है जहां दिल बसता है।

जिंदगी में एक बार डिप्रेशन से गुजरी है सुष्मिता सेन

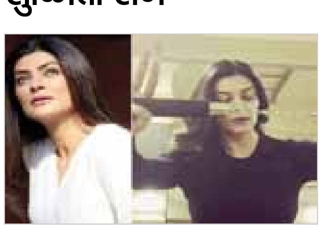

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन का कहना है कि वह भी जीवन में एक बार डिप्रेशन से गुजरी है।सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या किए जाने की खबर से हर कोई सदमें में है। बताया जा रहा है कि वह पिछले छह माह से डिप्रेशन में थे। इस बीच सुष्मिता सेन ने कहा है कि जिंदगी में एक बार वह भी डिप्रेशन से गुजरी हैं। सुष्मिता सेन ने कहा, मैंने भी बहुत डिप्रेशन झेला है। मुझे पता है वह बहुत रियल इमोशन होता है। उस वक्त पर हंसना बहुत मुश्किल है फिर भी हमें जीवन चुनना पड़ता है। हमें चुनना भी चाहिए। हर इंसान अलग होता है। कुछ लोगों को दोस्तों और परिवार के सपोर्ट की जरुरत होती है। कुछ डॉक्टर या मानसिक चिकित्सक के पास जाते हैं। यह उनकी समस्या पर निर्भर करता है। मेरी जिंदगी के कई उद्देश्य हैं। मेरी दो बेटियां हैं। मैं अकेले उनका पालन पोषण कर रही हूं। मैं यह नहीं सोच सकती कि जिंदगी खत्म हो गई।

ऑस्कर में बदलाव के बाद अब बाफ्टा फिल्म अवॉर्ड ने जारी की नई तारीख

लॉस एंजिलिस। ब्रिटिश अकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलिविजन अवॉर्ड (बाफ्टा) ने 2021 में फिल्म से जुड़े पुरस्कार समारोह के लिए नई तारीख की घोषणा की है। अब यह समारोह 11 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर यह निर्णय अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर्स आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा ऑस्कर कार्यक्रम को 28 फरवरी से 15 अप्रैल कर दिए जाने के बाद आया है। दरअसल बाफ्टा-2021 कार्यक्रम पहले 14 फरवरी को आयोजित होने वाला था , जिसे अब आगे बढ़ा दिया गया है। दरअसल बाफ्टा-2021 कार्यक्रम पहले 14 फरवरी को आयोजित होने वाला था , जिसे अब आगे बढ़ा दिया गया है। एक बयान में बाफ्टा ने कहा कि समारोह से जुड़ी आगे की जानकारी को इस साल के अंत में जारी किया जाएगा।

डायरेक्टर अनुभव कश्यप ने खोले बॉलीवुड के राज

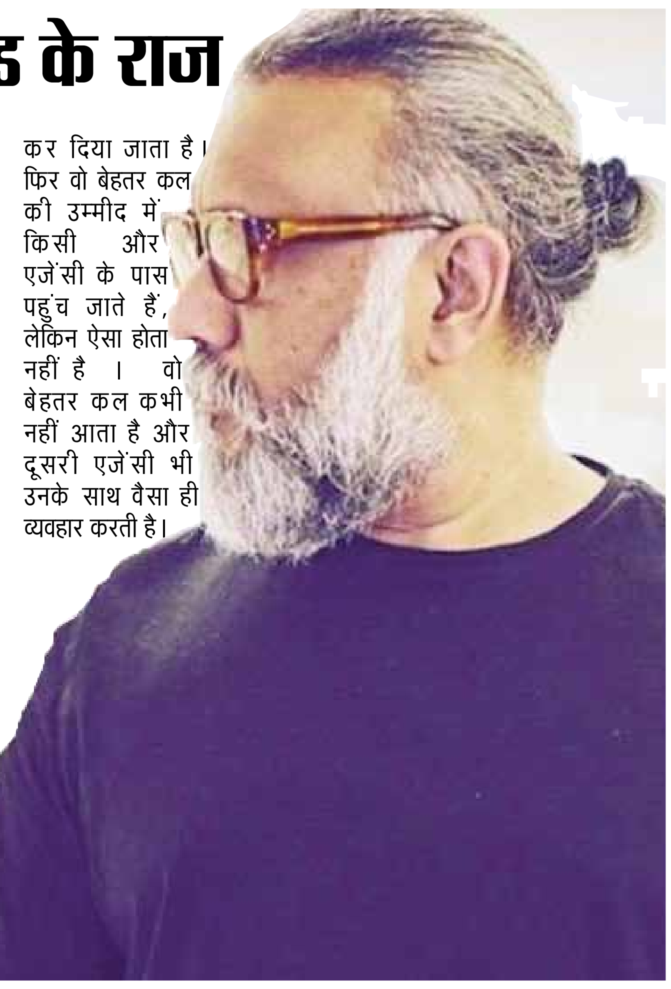

मुंबई।

अनुराग कश्यप के भाई और सलमान खान की सुपरहिट फिल्म दबंग के डायरेक्टर अभिनव कश्यप ने फेसबुक पर एक बड़ी सी पोस्ट लिखते हुए सुशांत आत्महत्या मामले में विस्तृत जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने बॉलीवुड में अपने साथ हुए कड़वे अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने यशराज फिल्म्स की टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी पर लोगों का करियर बर्बाद करने का आरोप लगाया। साथ ही सलमान खान के परिवार पर भी गंभीर आरोप लगाए। सुशांत मामले को लेकर अनुभव ने लिखा, मैं सरकार से एक विस्तृत जांच शुरू करने की अपील करता हूं। तुम्हारी आत्मा को शांति मिले सुशांत सिंह राजपूत... ओम शांति... लेकिन तुम्हारी लड़ाई जारी रहेगी... उन्होंने लिखा, सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या ने एक बहुत बड़ी समस्या को सामने ला खड़ा किया है, जिसका सामना हममें से कई लोग कर रहे हैं। वास्तव में क्या है जो एक व्यक्ति को आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर सकता है?? मुझे डर है कि उनकी मृत्यु ह्रद्वह्लक्क आंदोलन जैसे एक बड़े से हिमखंड का बहुत छोटा सा हिस्सा है। जिसने बॉलीवुड को बहुत ज्यादा परेशान किया था। आगे उन्होंने ड्ढक्रस्न (यशराज फिल्म्स) की टैलेंट मैंनेजमेंट कंपनी को कटघरे में खड़ा करते हुए सुशांत की मौत मामले में उसकी भूमिका की जांच करने की मांग की। उन्होंने लिखा, सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में अधिकारियों को ड्ढक्रस्न टैलेंट मैंनेजमेंट एजेंसी की भूमिका की भी जांच करना चाहिए। वे लोग करियर बनाते नहीं हैं। वे आपके करियर और जीवन को बर्बाद करते हैं। एक दशक तक व्यक्तिगत रूप से परेशान होने के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हर टैलेंट मैनेजर और बॉलीवुड की सभी टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसियां कलाकारों के लिए मौत का जाल हैं। वे सभी मूल रूप से सफेदपोश दलाल हैं, और हर कोई इसमें शामिल है। उन सबकी एक अघोषित आचार संहिता है जिसका वे पालन करते हैं। उनका एक आसान मंत्र है, हमाम में सब नंगे और जो नंगे नहीं हैं, उनको नंगा करो, क्योंकि एक भी पकड़ा गया तो सब पकड़े जाएंगे अभिनव ने बताया कि पहले टैलेंट स्काउट (कास्टिंग डायरेक्टर्स आदि) कट/कमीशन पर काम करते हुए शिकार के रूप में मुंबई से बाहर के ऐसे टैलेंट को खोजते हैं, जिनके कनेक्शन्स और संपत्ति कम हो। इसके बाद उन प्रतिभाओं को सेलेब्रिटीज से मिलवाने के नाम पर बॉलीवुड पार्टियों और रेस्टोरेंट में बुलाया जाता है। ऐसी पार्टियों में उन्हें अनदेखा किया जाता है और उनके साथ काफी बुरा सलूक होता है। इसलिए वे खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं और उनका आत्मविश्वास टूट जाता है। एक बार जब आत्मविश्वास टूट जाता है, तो स्काउट उन्हें बॉलीवुड के शिकारियों से बचाने के नाम पर कई सालों का कॉन्ट्रेक्ट ऑफर करते हैं। जिन्हें एकबार साइन करने के बाद तोड़ना वित्तीय रूप से बहुत नुकसानदायक रहता है। इसके बदले भारी जुर्माना लगाया जाता है। इस पर साइन कराने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं और ये सुनिश्चित किया जाता है कि कलाकार के पास उस पर साइन करने के अलावा बहुत कम विकल्प बचें। एक बार कलाकार को साइन करने के बाद टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी उन्हें बेहद कम पैसा देते हुए बंधुआ मजदूर की तरह काम लेने लगती है। अगर वे बहादुरी दिखाकर उनके चंगुल से बचने में कामयाब भी हो जाते हैं तो बेहद व्यवस्थित रूप से उनका बहिष्कार कर दिया जाता है। फिर वो बेहतर कल की उम्मीद में किसी और एजेंसी के पास पहुंच जाते हैं, लेकिन ऐसा होता नहीं है । वो बेहतर कल कभी नहीं आता है और दूसरी एजेंसी भी उनके साथ वैसा ही व्यवहार करती है।

सुशांत की आत्महत्या के बाद रवीना बोलीं- यहां कैम्पबाजी होती है, मुझे फिल्मों से निकलवाया गया

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद बॉलीवुड में नेपोटिज्म यानी भाई-भतीजावाद का मामला गरमा गया था। पिछले दिनों कंगना रनोट ने दावा किया था कि आउटसाइडर होने की वजह से सुशांत को बॉलीवुड में नजरअंदाज किया गया। अब इस मामले में रवीना टंडन ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि फिल्म इंडस्ट्री में कैम्पबाजी होती है और वे खुद भी नेपोटिज्म का शिकार रही हैं। विवार को डिप्रेशन से जूझ रहे सुशांत ने आत्महत्या की और सोमवार को मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया। रवीना ने सोमवार रात सुशांत को याद करते हुए एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने लिखा, किसको पता था कि यह यंग एनर्जेटिक मस्ती पसंद लड़का अपने डांस और मुस्कान के पीछे गहरा दुख छिपाए हुए था। काश कि वह अपने सबसे करीबी दोस्तों तक पहुंच जाता। अगले ट्वीट में रवीना ने बॉलीवुड की कैम्पबाजी का खुलासा किया। वे लिखती हैं, फ्र्इंडस्ट्री की मीन गर्ल गैंग। कैम्प भी मौजूद हैं। लोगों का मजाक उड़ाया जाता है। हीरो, उनकी गर्लफ्रेंड्स, पत्रकारों, चमचों और करियर बर्बाद करने वाली फर्जी खबरों ने मुझे फिल्मों से निकलवाया है। कई बार करियर बर्बाद हो जाता है। आपको यहां बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। कुछ सर्वाइव कर जाते हैं तो कुछ नहीं । रवीना ने अगले ट्वीट में लिखा है, जब आप सच्चाई बयां करते हैं तो आपको झूठा, पागल, साइको साबित कर दिया जाता है। चमचे पत्रकार आपकी कड़ी मेहनत को बर्बाद करने के लिए पेज भर-भर कर लिखते हैं। फिर चाहे आप इंडस्ट्री में ही पैदा क्यों न हुए हों। हालांकि, मुझे इंडस्ट्री ने जो दिया, उसके लिए मैं हमेशा इसकी आभारी हूं। लेकिन किसी के द्वारा यहां की गई गंदी राजनीति आपका मन खट्टा कर देती है।

सुशांत के सुसाइड की खबर सुन भावुक हुए बिग बी

फिल्म इंडस्ट्री ।

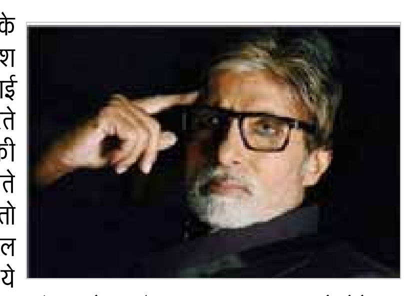

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड से पूरी फिल्म इंडस्ट्री स्तब्ध है। कोई यह यकीन नहीं कर पा रहा है कि 34 साल का यह हंसमुख सितारा इस तरह का कदम उठा सकता था। सबका बस एक ही सवाल है कि सुशांत आखिर क्यों? महानायक अमिताभ बच्चन ने भी अपने ब्लॉग में उनसे यही पूछा है। भावुक बिग बी ने लंबे-लंबे स्पेस देकर लिखा है, क्यों..क्यों...क्यों? इसके बाद अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए वे लिखते हैं, क्यों सुशांत सिंह राजपूत? आपने अपनी जिंदगी खत्म क्यों कर ली? आप शानदार अभिनेता थे। बिना कुछ कहे, बिना कुछ मांगे हमेशा के लिए सो गए। अमिताभ ने इसके आगे सुशांत की तारीफ की है। उनके मुताबिक, जितना शानदार उनका काम था, उससे कहीं ज्यादा अच्छा उनका दिमाग था। वे लिखते हैं, वे कई बार जिंदगी के फलसफे में डूबकर खुद को पेश करते थे। लोग उनकी इस गहराई से या तो अचंभित हो जाया करते थे या फिर बेपरवाही से उसकी ताकत का अर्थ नहीं समझ पाते थे। कुछ आश्चर्य किया करते थे तो कुछ आई-गई बात समझकर टाल दिया करते थे। कुछ के लिए ये हल्की-फुल्की चुहलबाजी से ज्यादा और कुछ नहीं था। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में सुशांत की फिल्म एम.एस. धोनी द अनटोल्ड स्टोरी का जिक्र किया है। वे लिखते हैं, मैंने धोनी में उनका पूरा काम देखा। फिल्म उनके यादगार परफॉर्मेंस को सहेजे हुए है। बिग बी ने यह भो लिखा है कि सुशांत ने जब भी कभी बात की या संवाद किया तो उनके अंदर कुछ ऐसा था, जो अनकहा रह गया। अमिताभ ने सुशांत के साथ अपनी एक मुलाकात के बारे में भी बताया। वे कहते हैं, उनके साथ एक मुलाकात में मैंने पूछा था कि उन्होंने इंटरनेशनल टूर्नामेंट में धोनी के उस शॉट को कैसे मैनेज किया था, जो उन्होंने छक्का मारकर जीता था। उनका जवाब था कि इसके लिए उन्होंने धोनी का वीडियो 100 बार देखा था। यह उनके प्रोफेशनल एफर्ट की गंभीरता थी। बिग बी आगे लिखते हैं, उनकी विनम्र शुरुआत हुई थी। वे हमारे समय के टैलेंटेड कोरियोग्राफर श्यामक डावर के शोज में डांसर्स के ग्रुप में चौथी लाइन का हिस्सा हुआ करते थे।

चीन से झड़प में शहीद हुए जवानों को बॉलीवुड सितारों ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई।

महानायक अमिताभ बच्चन, अभिनेता अक्षय कुमार, अनुष्का शर्मा और अन्य बॉलीवुड हस्तियों ने पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सैन्यकर्मियों के शहीद होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गौरतलब है कि सोमवार रात पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। पिछले पांच दशक से भी ज्यादा समय में सबसे बड़ी सैन्य झड़प के कारण क्षेत्र में सीमा पर पहले से जारी गतिरोध और भड़क गया है। अमिताभ बच्चन ने ट्विटर पर कवि प्रदीप द्वारा रचित ऐ मेरे वतन के लोगों पंक्तियां लिखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी, जरा याद करो कुर्बानी...' उन्होंने देश की रक्षा और हमें सुरक्षित रखने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। भारतीय सेना के अधिकारियों और जवानों को नमन! जय हिंद। अक्षय ने सैनिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि यह क्षति भयावह है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, गलवान घाटी में हमारे बहादुरों की शहादत से बहुत दुखी हूं। राष्ट्र के प्रति उनकी अमूल्य सेवा के लिए हम हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। उनके परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। अनुष्का ने कहा कि एक सैनिक की बेटी के होने के नाते सेना के किसी अधिकारी की मौत से हमेशा गहरा और व्यक्तिगत आघात महसूस करती हूं। राष्ट्र के प्रति उनकी अमूल्य सेवा के लिए हम हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। उनके परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। अनुष्का ने कहा कि एक सैनिक की बेटी के होने के नाते सेना के किसी अधिकारी की मौत से हमेशा गहरा और व्यक्तिगत आघात महसूस करती हूं। उन्होंने लिखा, उनके जीवन के बलिदान और उनके परिवारों की कुर्बानी हमेशा याद की जाएगी। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं। ईश्वर इन बहादुर शोक संतप्त परिवारों को शक्ति दे। रितिक रोशन, तापसी पन्नू और फरहान अख्तर ने भी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

मुंबई की फिल्म सिटी में 33 फीसदी क्रू मेंबर के साथ शूटिंग शुरू करने की परमिशन

मुंबई।

70 दिनों से ज्यादा के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार वह घड़ी आ गई जिसका इंतजार पूरे बॉलीवुड को था। 20 जून से टीवी सीरियल, फिल्म, वेब सीरीज सबको शूट करने की परमिशन दे दी गई है। इस बात की जानकारी फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एम्पलॉइज की ओर से दी गई है। इसके पहले भी महाराष्ट्र सरकार की तरफ से 16 पेज की गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है जिसमें शूटिंग के लिए कुछ सावधानियां और शर्तें बताई गई हैं। के प्रमुख डीएन तिवारी ने दैनिक भास्कर से एक फॉर्म शेयर किया है। इस फॉर्म में जानकारियां भरकर शूटिंग की इजाजत ली जा सकेगी। फॉर्म में प्रोडक्शन हाउस या ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का नाम, पता होना चाहिए या फिल्म का नाम देना होगा। उसका जॉनर और फिल्म सिटी में कहां शूटिंग होनी है ये जानकारियां देनी होंगी। फिलहाल प्रोडक्शन को फिल्म या सीरियल की पूरी टीम की 33 फीसदी मैन पावर के साथ शूटिंग की इजाजत है। फिल्म इंडस्ट्री में इस खबर से काफी खुशी है। मिलाप जावेरी और जॉन अब्राहम तो सत्यमेव जयते 2 की शूटिंग को लेकर मंगलवार की शाम को मिले भी। काफी देर बातें भी कीं। जॉन अब्राहम हैदराबाद भी जाने वाले हैं। वहां रामोजी फिल्म सिटी में मुंबई सागा की शूटिंग होनी है। ठीक इसी तरह कई वेब शो के निर्माता इंतजार में थे कि कब शूटिंग की इजाजत मिले। फिल्म सिटी में आउटडोर लोकेशन तो है ही, साथ में इनडोर स्टूडियोज भी हैं। वहां पर सब शूटिंग कर सकते हैं। 31 मई को महाराष्ट्र सरकार द्वारा 16 पेज की गाइडलाइन जारी की गई है जिसमें शूटिंग के दौरान ज्यादातर मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग रखना, पीपीई किट पहनकर मेकअप करना जैसी कई शर्तें व नियम अनिवार्य किए गए हैं।

साथ ही सरकार ने सेट पर केवल 33 फीसदी क्रू मेंबर के साथ शूटिंग करने की इजाजत दी है। सेट पर आने वाली कास्ट और क्रू का मेडिकल चेकअप भी अनिवार्य रूप से करवाना होगा। गौरतलब है ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के आगे झुकने को मजबूर हुआ चीन, 10 भारतीय जवानों को किया रिहा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हिंसक संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता कायम रखने और मतभेदों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने की कोशिशों का असर अब दिखता हुआ दिखाई दे रहा है। चीन ने अब 10 भारतीय जवानों को रिहा कर दिया है, जिन्हे हिसंक झड़प के दौरान पकड़ लिया गया था। खबरों के अनुसार चीन ने दो अधिकारियों समेत 10 सैनिकों को वीरवार शाम भारतीय पक्ष में वापस लौटा दिया है। हमले की रात के बाद चीन ने योजनाबद्ध तरीके से हुए जवानों को कैद कर लिया था, उन्हें 18 जून की शाम 5ः30 बजे वापस पेट्रोलिंग पॉइंट 14 में भेज दिया गया। हालांकि अधिकारिक तौर पर इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि वीरवार को दोहराया था कि भारत सीमा पर शांति बनाये रखने एवं मुद्दों का संवाद के माध्यम से समाधान करने के पक्ष में हैं लेकिन भारत की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता की सुरक्षा को लेकर दृढ़ प्रतिज्ञ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा था कि पन्द्रह जून की रात में दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हुई क्योंकि चीनी पक्ष ने एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने की कोशिश की। दोनों पक्षों के सैनिक हताहत हुए। यदि चीनी पक्ष उच्च स्तर पर हुए समझौते का पालन करता तो इससे बचा जा सकता था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सीमा प्रबंधन को लेकर जिम्मेदारी निभाते हुए भारत शुरू से बहुत स्पष्ट रहा है कि उसकी सभी गतिविधियां वास्तविक नियंत्रण रेखा के भीतर अपने अधिकार वाले क्षेत्र में ही सीमित हैं। हम चीनी पक्ष से भी यही अपेक्षा करते हैं।

उसकी सभी गतिविधियां वास्तविक नियंत्रण रेखा के भीतर अपने अधिकार वाले क्षेत्र में ही सीमित हैं। हम चीनी पक्ष से भी यही अपेक्षा करते हैं। वक्त का तकाजा है कि चीनी पक्ष अपने कदमों के बारे में दोबारा सोचे और उसे ठीक करने की कोशिश करे। उन्होंने कहा था कि दोनों पक्षों को छह जून को वरिष्ठ कमांडरों के बीच बनी सहमति को पूरी ईमानदारी से लागू करना चाहिए। दोनों ओर की सेनाओं को सभी द्विपक्षीय समझौतों एवं प्रोटोकॉलों का पालन तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा का कड़ाई से सम्मान करना चाहिए और उसे बदलने के लिए एकतरफा ढंग से कोई कदम नहीं उठाना चाहिए।

शहादत को नमनः तिरंगे से लिपटकर घर पहुंचे लाल को देख रो पड़ा पूरा गांव

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ झड़प में वीरगति को प्राप्त हुए सिपाही राजेश ओरांग का पार्थिव शरीर शुकवार सुबह पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बेलगोरिया गांव लाया गया जहां सैकड़ों लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ पड़े। ओरांग उन 20 भारतीय सैनिकों तथा पश्चिम बंगाल के उन दो सैनिकों में से एक थे जो 15 जून को लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में शहीद हुए थे। सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि वीरवार शाम सैन्य विमान से चंडीगढ़ के रास्ते लेह से सिपाही ओरांग के पार्थिव शरीर को यहां लाए जाने के बाद पानागढ़ सैन्य अस्पताल में रखा गया था जिसे सुबह उनके घर पहुंचाया गया। तिरंगे से लिपटे ताबूत को देखकर परिवार के लोग और वहां उपस्थित जनसैलाब की आंखों से आंसू निकल पड़े। गांव के निवासियों ने भारतीय सैनिकों पर चीनी सैनिकों के नृशंस हमले को लेकर आक्रोश जाहिर किया और चीनी उत्पादों के पूर्ण बहिष्कार की मांग की। ओरांग के परिवार में उनके माता-पिता और दो बहन हैं। उनका अंतिम संस्कार गांव के पास एक स्थान पर पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा। राज्य के अन्य शहीद सैनिक हवलदार विपुल राय के पार्थिव शरीर को शाम को अलीपुरद्वार जिले के बिंदीपारा गांव ले जाया जाएगा जो कल रात हसीमारा सैन्य अस्पताल में रखा गया था।

लॉकडाउनः न्यायालय वीडियो कांफ्रेंन्सिग सुनवाई करने वाले वैश्विक नेता के रूप में उभरा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कोविड की वजह से लागू लॉकडाउन के दौरान वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से मुकदमों की सुनवाई करने वाले वैश्विक नेता के रूप में उभरा है और वह इस अवधि में सात हजार से ज्यादा मामलों की सुनवाई करने का विशेष लक्ष्य हासिल करेगा। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार शीर्ष अदालत शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से सुनवाई के 57वें दिन 7,197 मामले की सुनवाई करेगा जबकि उसकी 11 पीठ 206 मामलों की सुनवाई करेंगी। भारत में 25 मार्च से शुरू हुये लॉकडाउन के बाद से उच्चतम न्यायालय की 617 पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से 6,991 मामलों की सुनवाई की। इन 617 पीठ में से 293 ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से मुख्य मामलों की सुनवाई की जबकि 324 पीठ ने पुनर्विचार याचिकाओं पर गौर किया। इसी तरह, रजिस्ट्रार के न्यायालय ने भी 150 मामलों पर विचार किया। वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से मुकदमों की सुनवाई में वकीलों की भागीदारी में तेजी से वृद्धि हुये और वीडियो लिंक के जरिये करीब 25,000 वकीलों ने इसका उपयोग किया। शीर्ष अदालत की विभिन्न पीठ ने इस दौरान 670 फैसले सुनाये।

चीन की धोखेबाजी पर पुलिस जवान की कविता वायरल, हमने बुद्ध दिया, उसने युद्ध

नेशनल डेस्क। अपनी कविताओं के जरिए दुश्मनों को ललकारने वाले पुलिस जवान मनोज ठाकुर की एक पुरानी कविता इन दिनों फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। लोग हिमाचल प्रदेश पुलिस के जवान मनोज ठाकुर की इस पुरानी कविता को शेयर कर चीन को संदेश दे रहे हैं कि भारतीयों को किसी से कम नहीं समझना। जवान मनोज की इस कविता का वीडियो वैसे तो 2017 का है, लेकिन अब चीन के साथ तनातनी के माहौल के बीच फिर वायरल हो रहा है। चार साल पुरानी इस कविता में जवान मनोज ठाकुर चीन को खूब खरी-खरी सुनाई थी। उन्होंने तब कहा था- हमने उसको बुद्ध दिया था, उसने हमको युद्ध दिया, आज बंधा कफ़न शीश पर, जिसको आना है आ जाओ, चाऊं-माऊं, चीनी-मिनी जिसमें दम है टकराओ..... बता दें कि 15 जून को गलवान घाटी पर हुई खूनी झड़प में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए और कई जवान घायल हो गए जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। चीन गलवान घाटी पर अपना कब्जा बता रहा है जबकि भारत ने इस दावे को सिरे से नकारते हुए कहा कि यह भारत का हिस्सा थी और रहेगी।

भारत-चीन विवाद पर सर्वदलीय बैठक से केजरीवाल बाहर!

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच जारी विवाद को लेकर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में देश की करीब 17 राजनीतिक पार्टियों के नेता शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक़ बैठक में सभी विपक्षी दल केंद्र सरकार से तीखे सवाल पूछने की तैयारी में हैं। इस बैठक से पहले ही पार्टियों के हमलावर रुख सामने आ रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सरकार से चीन के साथ मौजूदा हालातों को लेकर तथ्य मांगेंगी तो वहीं बैठक में आमंत्रित ना किये जाने को लेकर आम आदमी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल बेहद नाराज है। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि पार्टी की दिल्ली में सरकार है और पंजाब में वह मुख्य विपक्षी पार्टी है फिर भी भाजपा को उसके विचार नहीं चाहिए। सिंह ने ट्वीट किया कि केंद्र में अहंकार से ग्रस्त अजीब सरकार है।

आम आदमी पार्टी की दिल्ली में सरकार है। पंजाब में वह मुख्य विपक्षी पार्टी है। देश भर में उसके चार सांसद हैं लेकिन फिर भी भाजपा को इतने अहम मुद्दे पर उसकी राय नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री बैठक में क्या कहेंगे, पूरा देश इसका इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपात के दौरान, सभी दलों को साथ आना चाहिए। आप नेता एवं दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप को नहीं बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि ÷सभी दलों को साथ लेने के बावजूद, भाजपा गणितीय फार्मूला का प्रयोग कर यह तय कर रही है कि किसे बुलाना है और किसे नहीं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। समझा जाता है कि सभी मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय दलों - जिनके पास लोकसभा में पांच सासंदों से ज्यादा है, पूर्वोत्तर के प्रमुख दलों और केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों वाले दलों को सर्वदलीय बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है।

कोरोना पॉजिटिव कांग्रेस विधायक ने पीपीई किट पहनकर किया मतदान, बीजेपी ने कुछ यूं कसा तंज

भोपाल(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए आज वोटिंग प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसमें कोरोना संक्रमित कुणाल चौधरी भी वोटिंग करने पहुंचे। वे अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों के साथ एंबुलेंस में बैठकर आए। पीपीई किट डाल कर जांच और कड़ी सुरक्षा के बीच उन्होंने वोट डाला। इसके बाद राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गया। इस बात को लेकर बीजेपी ने कड़ा विरोध जताया है। दरअसल, कोरोना पॉजिटिव पाए गए कांग्रेस विधायक कुणाल चौधरी की वोटिंग के बाद बीजेपी ने विराध जताना शुरु कर दिया है। बीजेपी नेता हितेश वाजपेयी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा कोरोना पॉजिटिव विधायक को परिसर में प्रवेश की अनुमति महामारी नियंत्रण नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि परिसर को कंटेमिनेट करने का आयोग को कोई अधिकार नहीं है। यह आयोग द्वारा की जा रही अवैध गतिविधि है जो चिंताजनक है जबकि बीमारी फैलाना अपराध की श्रेणी में आता है। प्रशासन को इसकी इजाजत नहीं देनी चाहिए थी। बीजेपी नेता ने तंज कसते हुए कहा कि यदि ऐसा है तो सभी पॉजिटिव मरीजों को पीपीईकिट डालकर घूमने की इजाजत देनी चाहिए। वहीं इंदौर विधायक आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि, मुझे लगता है उन्हें यहां नहीं आना चाहिए बल्कि बैलेट पेपर से वोट डालना चाहिए।

दिल्ली में सस्ता होगा कोरोना का इलाज, गृह मंत्रालय ने निजी अस्पतालों के रेट किए तय

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना तेजी से बढ़ रहा है। इस संकट के बीच राजधानी के लोगों के लिए राहत भरी खबर आई है। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को निजी अस्पतालों में कोरोना के उपचार के लिए शुल्क तय कर दिए गए हैं। यानी की अब दिल्ली के निजी अस्पतालों में कोरोना के इलाज के लिए मनमानी फीस नहीं ली जा सकेगी। दरअसल दिल्ली की जनता की सुविधा के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने नीति आयोग के सदस्य के नेतृत्व में एक कमेटी बनाने का आदेश दिया था। गृह मंत्रालय ने डॉक्टर वीके पॉल कमेटी की सिफारिशों को लागू कर दिया है, जिसके तहत तय किए गए शुल्क के अतिरिक्त कोई भी शुल्क अब नहीं ले सकेगा। अगर कोई अस्पताल ऐसा करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 13000-15000 ढ्ढष्ट बिना वेंटिलेटर के प्रतिदिन 15000 से 18000 आईसीयू वेंटिलेटर के साथ प्रतिदिन बता दें कि दिल्ली सरकार ने हाल ही में कोविड-19 आरटी-पीसीआर जांच के लिए 2,400 रुपये का शुल्क तय करने का फैसला किया था। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने निजी और सरकारी सहित सभी अस्पतालों के लिए कोविड-19 की जांच दर 2,400 रुपये तय करने के संबंध में, एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को मंजूरी दे दी, जिसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उम्मीद जताई कि लोगों को अब खुद की जांच करवाने में कोई परेशानी नहीं होगी।

गलवान हमले की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया चौंकाने वाला सच, शहीदों के साथ हुई बर्बरता!

नई दिल्ली(एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख में सोमवार रात गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 सैनिकों की शहादत से पूरा देश गुस्से में है। वहीं अब इन 20 सैनिकों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाला सच सामने आया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि भारतीय जवानों के शरीर में गहरे घाव थे। उनमें से कुछ की मौत हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान बेहद कम हो जाना) और दम घुटने से हुई। करीब 17 जवानों के शरीर पर चोट के गहरे निशान हैं जो बताते हैं कि उनके साथ बर्बरता की गई। तीन जवानों के चेहरे को क्षत-विक्षत कर दिया गया था, वे पहचान में भी नहीं आ रहे हैं और चीन अन्य की गर्दन पर रेतने के निशान थे। वहीं अधिकारियों का कहना है कि चीनी सैनिकों ने हमले में नाखून चुभोए हैं। कुछ जवान नदी में गिर गए जो काफी ऊंचाई पर है। 14,000 फीट की ऊंचाई पर गलवान घाटी की जमा देने वाली ठंड और दुर्गम क्षेत्र में मदद न मिलने के चलते भी सैनिकों की मौत हुई है। पूर्वी लद्दाख में सोमवार रात गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 सैनिक शहीद हो गए । पिछले पांच दशक से भी ज्यादा समय में सबसे बड़े सैन्य टकराव के कारण क्षेत्र में सीमा पर पहले से जारी गतिरोध और भड़क गया है । सेना ने शुरू में मंगलवार को कहा कि एक अधिकारी और दो सैनिक शहीद हुए । लेकिन, देर शाम बयान में कहा गया कि 17 अन्य सैनिक च्जो अत्यधिक ऊंचाई पर शून्य से नीचे तापमान में गतिरोध के स्थान पर ड्यूटी के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उन्होंने दम तोड़ दिया है। इससे शहीद हुए सैनिकों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि चीनी पक्ष के सैनिक भी च्उसी अनुपात में हताहत हुए हैं । वर्ष 1967 में नाथू ला में झड़प के बाद दोनों सेनाओं के बीच यह सबसे बड़ा टकराव है। उस वक्त टकराव में भारत के 80 सैनिक शहीद हुए थे और 300 से ज्यादा चीनी सैन्यकर्मी मारे गए थे। इस क्षेत्र में दोनों तरफ नुकसान ऐसे वक्त हुआ है जब सरकार का ध्यान कोविड-19 संकट से निपटने पर लगा हुआ है । सेना के एक बयान में कहा गया, भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान क्षेत्र में जिस स्थान पर 15/16 जून की रात झड़प हुई, वहां से दोनों तरफ के सैनिक हट गए हैं। इसमें यह नहीं बताया गया है कि सैन्यकर्मी किस प्रकार हताहत हुए हैं और दोनों पक्षों के बीच किसी तरह के गोलाबारी का भी उल्लेख नहीं किया गया है। भारतीय सेना के सूत्रों ने बताया कि झड़प में हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया गया और अधिकतर जवान चीनी पक्ष द्वारा किए गए पथराव और लोहे की छड़ों के इस्तेमाल के कारण घायल हुए । झड़प में घायल हुए अधिकारी की पहचान 16 वीं बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग अधिकारी कर्नल संतोष बाबू के तौर पर हुई । वह तेलंगाना के निवासी थे । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह के साथ उच्च स्तरीय बैठक की । इस बैठक में पूर्वी लद्दाख में स्थिति की समग्र समीक्षा की गयी । यह समझा जा रहा है कि भारत ने 3500 किलोमीटर की सीमा पर चीन के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए दृढ़ रुख जारी रखने का फैसला किया है।

शोपियां-पुलवामा में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी, आतंकियों का बड़ा सफाया...8 को किया ढेर

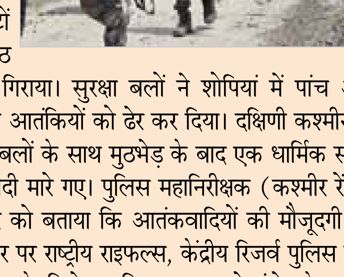

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली। सुरक्षा बलों ने इन दोनों इलाकों में पिछले 24 घंटों में मुठभेड़ के दौरान आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों ने शोपियां में पांच और पुलवामा के पंपोर में तीन आतंकियों को ढेर कर दिया। दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद एक धार्मिक स्थल में छुपे दो और आतंकवादी मारे गए। पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) विजय कुमार ने शुक्रवार को बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने पंपोर के समीप मीग गांव में रविवार सुबह संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया था। सुरक्षा बल के जवान जब गांव में बाहर निकलने के रास्तों का सील कर लक्षित इलाके की ओर बढ़ रहे थे, तभी वहां छुपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में एक आतंकवादी गुरुवार को ही मारा गया था। बाद में दो आतंकवादी एक धार्मिक स्थल में घुस गए। कुमार ने खुलासा किया कि सुरक्षा बल के जवानों ने धार्मिक स्थल में प्रवेश नहीं किया और न ही गोलीबारी की। जवानों ने विस्फोटक का भी उपयोग नहीं किया बल्कि वहां आंसूगैस के गोले छोड़े। दोनों आतंकवादियों को बेअसर कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की फिर बिगड़ी तबीयत, ऑक्सीजन सपोर्ट पर

नेशनल डेस्क। कोविड-19 से संक्रमित दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की हालत निमोनिया होने के बाद शुक्रवार को बिगड़ गई और उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार 55 वर्षीय मंत्री का ऑक्सीजन का स्तर गिरने के बाद उन्हें अब लगातार ऑक्सीजन दिया जा रहा है। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके ऑक्सीजन का स्तर 89 प्वांइट पर गिरने के बाद अब उन्हें लगातार ऑक्सीजन दिया जा रहा है। उन्हें निमानियो होने की पुष्टि भी हुई है इसलिए हम उन्हें अस्पताल के आईसीयू में स्थानांतरित कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री की हालत बेहतर नहीं होती तो हम उन्हें बड़े, निजी केन्द्र में भर्ती कराने पर भी विचार कर रहे हैं। तेज बुखार और ऑक्सीजन का स्तर गिरने के बाद राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) में भर्ती कराए जाने के एक दिन बाद बुधवार को उनके कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी।

ग्लोबल टाइम्स की आड़ में भारत को गीदड़भपकी दे रहा चीन, तीन दिन से ट्विटर पर कर रहा गुमराह

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में सोमवार रात गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 सैनिकों की शहादत से पूरा देश गुस्से में है। वहीं इस हिंसक झड़प के बाद भी चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह प्रत्यक्ष तौर पर भले ही शांतिपूर्ण समाधान की बात कर रहा हो, लेकिन मीडिया के जरिए वह भारत को धमकाने में लगा हुआ है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र पीपुल्स डेली के टेबलायड न्यूजपेपर ग्लोबल टाइम्स ने सफेद झूठ बोलते हुए कहा कि हाल ही में घटी घटना के लिए भारत को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। तीन दिन वह ट्विटर पर लोगों को गुमराह करने में लगे हुए हैं। आईए देखते हैं इस खास रिर्पोट में चीन ने क्या कहा।

एलओसी पर बारूदी सुरंग फटी, आर्मी पोर्टर घायल

श्रीनगर। शुक्रवार को नार्थ कश्मीर में एलओसी पर बारूदी सुरंग फटने से सेना का एक पोर्टर घायल हो गया। धमाका उड़ी सेक्टर में हाजीपीर सेक्टर की रैनो पोस्ट के पास हुआ। अधिकारियों ने बताया कि धमाका बहुत जबरदस्त था और उसमें बशीर अहमद बुरी तरह से घायल हो गया। 30 वर्षीय बशीर सेना के पोर्टर के तौर पर काम करता है। उसके पैर पर चोट आई है। बशीर चरूंडा का रहने वाला है।उसे बारामूला के अस्पताल में भर्ती किया गया है। उड़ी के एसडीपीओ जुनैद वानी ने भी घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि पोर्टर की हालत स्थिर है।

राजस्थान में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए मतदान

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए मतदान शुक्रवार को हो रहा है। राज्य विधानसभा में सुबह नौ बजे मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई जो शाम चार बजे तक चलेगी उसके बाद मतगणना होगी। सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी भाजपा ने अपनी अपनी पार्टियों और उनको सर्मथन दे रहे विधायकों को अलग अलग होटलों में रुकवा रखा था। ये सभी विधायक अलग अलग बसों से विधानसभा पहुंचे और मतदान किया। अधिकारियों के अनुसार चार बजे तक मतदान होगा। उसके बाद मतगणना होगी। मतदान के दौरान कोरोना वायरस महामारी के दृष्टिगत सैनिटाईजेशन, सामाजिक दूरी सहित अन्य विशेष प्रबंध किये गए। कांग्रेस ने के सी वेणुगोपाल और नीरज डांगी को मैदान में उतारा है जबकि भाजपा ने राजेन्द्र गहलोत और ओंकार सिंह लखावत को उम्मीदवार बनाया है।

पूर्वी लद्दाख में चीन से सामना एक महत्वपूर्ण निर्णय की घड़ी

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में हुए दुखद प्रकरण पर गर्मागर्म बहस चल रही है। टीवी चैनलों को और राजनीतिक दलों को अपनी अपनी बात को भुनाने का अच्छा मौक़ा मिला है। पर एक सैनिक के तौर पर इस घटना का विश्लेषण अलग तरीके से किया जाना चाहिए। हम सब जानते हैं कि ऐसे समय पर आरोप प्रत्यारोप से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। 1962 में और आज के दरमियाँ क्या हुआ और उसके लिए कौन ज़िम्मेदार था, एक अलग मुद्दा है। गलवान में जो हुआ वो एक लम्बे समय से महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान न दिए जाने का परिणाम है। 1. सबसे पहली बात ये कि हमारी सेनाओं ने हर परिस्थिति का डटकर सामना किया है और सैनिकों ने कभी भी अपनी जान की सुरक्षा की परवाह नहीं की। सेनाओं पर उँगली उठाने से पहले इतिहास को निष्पक्ष दृष्टि से देखिये। कूटनीतिक और राजनीतिक कमियों को सेनाओं की कमी बता कर मुद्दे को भटकाना गलत होगा। 2. देश की सुरक्षा और सेनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस आवश्यक है जिस से देश में आम सहमति बन सके और सुरक्षा और सामरिक विषयों पर एक दीर्घकालिक नीति तय की जा सके। दुर्भाग्य से, शांतिकाल में कोई भी उन पर ध्यान नहीं देता। युद्ध या विपत्ति के समय यदि सेनाओं से जुड़े मुद्दों को उठाया जाए तो उस बात पर राष्ट्रविरोधी होने का आरोप लगना लगभग तय है। इसलिए शांतिकाल में इन सब बातों को चुपचाप टाल दिया जाता रहा है!! सवाल ये है कि इस स्थिति से हम कब उबरेंगे। कब तक राष्ट्रीय सुरक्षा को हम महत्त्व नहीं देंगे? 3. 1999 में कारगिल में हुई घुसपैठ हमारे लिए एक बड़ी चेतावनी थी। युद्ध में विजय एक बड़ी कीमत चुका कर मिली। युद्ध के मिले महत्वपूर्ण सबक की समीक्षा करने के लिए उच्च स्तरीय कारगिल रिव्यू कमेटी भी गठित की गयी और कमेटी ने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। लेकिन सिर्फ ब्रिगेडियर सुरिंदर को दोषी ठहराते हुए लेकिन सिर्फ ब्रिगेडियर सुरिंदर को दोषी ठहराते हुए लेकिन सिर्फ ब्रिगेडियर सुरिंदर को दोषी ठहराते हुए और बाक़ी की सिफारिशों पर विचार ना करन या विलम्ब एक निश्चित विफलता रही है। 4. पाकिस्तान - चीन गठबंधन ने पिछले एक दशक में खतरनाक रूप ले लिया है। इसी खतरे की धारणा के मद्देनज़र माउंटेन स्ट्राइक कोर को 2013 में मंजूरी मिल गई थी!

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनियाभर में कोरोना ने ली 4.5 लाख लोगों की जान, मरीजों की संख्या 85 लाख के करीब

लंदन।

विश्व में अब तक साढ़े चार लाख से अधिक लोग जानलेवा कोरोना विषाणु के गले का निवाला बन चुके हैं जबकि इसके संक्रमितों का आंकड़ा 84.64 लाख से अधिक हो गया है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक 84,64,729 लोग संक्रमित हुए हैं और 4,53,290 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के मामले में अमेरिका विश्व भर में पहले, ब्राजील दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 13,586 नये मामले दर्ज किये गये हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या 3,80,532 हो गई है। इसी अवधि में 336 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 12,573 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 1,63,248 सक्रिय मामले हैं और अब तक 2,04,711 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। भारत सक्रमण के मामले में विश्व में सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में चौथे स्थान पर है। विश्व की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 21,89,056 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,18,421 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 9,78,142 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 47,748 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 5,60,321 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 7650 लोगों ने जान गंवाई है।

राष्ट्रपति पद के चुनाव में बाइडेन को ट्रंप के मुकाबले 12 अंक की बढ़त मिलने का अनुमान

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार एवं पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन को व्हाइट हाउस की दौड़ में देश के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मुकाबले 12 अंकों की प्रभावशाली बढ़त मिलने का अनुमान है 'फॉक्स न्यूज' के जनमत सर्वेक्षण में यह अनुमान जताया गया है। 'फॉक्स न्यूज' के अनुसार अधिकतर मतदाताओं ने नस्लवाद, बेरोजगारी और कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को देश की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बताया है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण महीनों तक निलंबित रहा चुनाव प्रचार पुनः पटरी पर लौट रहा है। ऐसे में 'फॉक्स न्यूज' ने कहा कि बाइडेन को ट्रम्प के खिलाफ मिलने वाली अनुमानित बढ़त का अंतर और बढ़ गया है। 'फॉक्स न्यूज' को राष्ट्रपति का पसंदीदा चैनल बताया जाता है । रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने तक बाइडेन को ट्रम्प के मुकाबले आठ अंक की बढ़त मिलने का अनुमान था, जो अब बढ़कर 12 अंक हो गया है। 'फॉक्स न्यूज' के अनुसार, 13 से 16 जून तक किए गए सर्वेक्षण के अनुसार करीब 50 प्रतिशत लोगों ने बाइडेन का और 38 प्रतिशत लोगों ने ट्रम्प का समर्थन किया। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले अधिकतर लोगों ने कहा कि नस्लवाद, बेरोजगारी और कोरोना वायरस संक्रमण देश की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा है। सभी बड़े राष्ट्रीय चुनाव पर नजर रखने वाले 'रियलक्लीयरपॉलिटिक्स' के अनुसार बाइडन को ट्रम्प के मुकाबले 8.8 प्रतिशत अंकों की बढ़त मिलने का अनुमान है। ट्रम्प ने इन सर्वेक्षणों के परिणाम खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कई सर्वेक्षण ''फर्जी'' हैं। उन्होंने 2016 में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन का जिक्र करते हुए कहा, ''यह हिलेरी (क्लिंटन) की तरह है।

चीन में कोविड-19 संक्रमण के 37 नए मामले आए सामने

बीजिंग।

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 37 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 25 मामले देश की राजधानी बीजिंग से हैं। राजधानी में अभी 183 संक्रमित लोगों का इलाज चल रहा है और सरकार ने यहां कोरोना वायरस संक्रमण फैलने से रोकने के लिए युद्ध स्तर पर कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि देश में बृहस्पतिवार को सामने आए 37 नए मामलों में से 28 घरेलू स्तर पर फैले मामले हैं। इसके अलावा विदेश से आए चार लोग संक्रमित पाए गए हैं। वहीं पांच लोग बिना किसी लक्षण के संक्रमित पाए गए। उसने बताया कि घरेलू स्तर पर फैले मामलों में 25 मामले बीजिंग, दो हेबेई प्रांत और एक मामला लियाओनिंग प्रांत में सामने आया है। आयोग के अनुसार बृहस्पतिवार को कोविड-19 से किसी की जान नहीं गई। उसने बताया कि बृहस्पतिवार को बिना किसी लक्षण के पांच लोग संक्रमित पाए गए। ऐसे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 110 हो गई हैं, जिनमें बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। इनमें से 60 लोग विदेश से आए हैं। ये सभी चिकित्सकीय निगरानी में हैं। नगरपालिका स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को बताया कि बीजिंग के थोक बाजार 'शिनफादी' में नए मामले सामने आने के बाद यहां आंशिक लॉकडाउन लागू है। यहां बृहस्पतिवार को घरेलू स्तर पर फैले 25 नए मामले सामने आए हैं और दो लोग बिना किसी लक्षण के संक्रमित पाए गए। एनएचसी ने बृहस्पतिवार को बताया कि चीन में अभी तक 83,325 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें से 293 लोगों का इलाज जारी है। इनमें से 13 लोगों की हालत गंभीर है।

ट्रंप की चेतावनी, चीन से रिश्ते पूरी तरह से खत्म करने का हमारे पास काफी विकल्प

नेशनल डेस्क।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके पास चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह से समाप्त करने का विकल्प मौजूद है। ट्रंप ने गुरुवार को ट्विटर पर एक वक्तव्य जारी कर यह बात कही। इससे एक दिन पहले अमेरिका के व्यापारिक प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर ने कहा था कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ कम करना संभव नहीं है। ट्रंप ने ट्वीट किया कि प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर की कोई गलती नहीं है। शायद मैंने ही अपने बयान को स्पष्ट नहीं किया, लेकिन अमेरिका के पास विभिन्न परिस्थितियों के तहत निश्चित रूप से चीन के साथ पूरी तरह से संबंधों को खत्म करने का रणनीतिक विकल्प मौजूद है। लाइटहाइजर ने बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस में कहा था कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ कम नहीं किया जा सकता। इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने कहा था कि चीन के शीर्ष राजनयिक ने अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण के तहत बीजिंग के दायित्वों को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को चीन पर वीगर मुसलमानों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए उस पर प्रतिबंध लगाने वाले एक कानून पर हस्ताक्षर किए थे। चीन ने इसके बाद अमेरिका को जवाबी कार्रवाई की धमकी भी दी थी।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया के समुद्र में 29 साल बाद दिखी दुर्लभ सफेद व्हेल, देखने के लिए उमड़ी भारी भीड़

इंटरनेशनल डेस्क। दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया के समुद्र में पूरे 29 साल बाद दुर्लभ सफेद हंपबैक व्हेल देखने को मिली। इस व्हेल के दिखने की खबर मिलते ही तटों के किनारे और समुद्र में इसे देखने के लिए लोग इकट्ठा हो गए। इस दुर्लभ सफेद व्हेल का नाम मिगालू है। इससे पहले यह स्फेद व्हेल इस इलाके में साल 1991 में देखने को मिली थी। यह अंटार्कटिका से घूमते हुए क्वींसलैंड के तट के पास आ गई है। मिगालू के नाम से कई वेबसाइट्स भी हैं, इतना ही नहीं इसका इंस्टाग्राम पेज भी है। मिगालू को क्वींसलैंड के तट से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर समुद्र में एक दूसरी व्हेल के साथ अठखेलियां करते देखा गया। दरअसल यह अपने रंग की वजह से दुर्लभ है क्योंकि यह पूरी तरह से सफेद है। अभी तक दुनिया में मिगालू जैसे तीन या चार सफेद व्हेल्स खोजी गई हैं। बाकी तीन के नाम है बाहलू, विलोव और मिगालू जूनियर। मिगालू को ऑस्ट्रेलिया के सख्त कानूनों के तहत संरक्षित करने का आदेश जारी किया गया है। इसे किसी तरह का नुकसान पहुंचाने पर कड़ी सजा हो सकती है।

फेसबुक ने ट्रंप के नफरत भरे विज्ञापन हटाए

न्यूयॉर्क। फेसबुक ने गुरूवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव से संबंधित विज्ञापन यह कह कर हटा दिए कि यह विज्ञापन फेसबुक की नफरत को लेकर नीतियों का उल्लंघन करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की चुनावी मुहिम संभाल रही टीम ट्रंप ने यह विज्ञापन फेसबुक पर पोस्ट किए थे। इन विज्ञापनों में लिखा गया था कि वामपंथी ग्रुपों की खतरनाक भीड़ गलियों में घूम रही है और कानून का उल्लंघन करके अपराध कर रहे हैं। वह हमारे शहरों को उजाड़ रहे हैं और दंगे कर रहे हैं। यह पागलपन है। इस मौके पर सभी अमेरिकियों को एकजुट होना चाहिए और उन्हें यह बताना चाहिए कि यह हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विज्ञापन हटाने के बाद फेसबुक ने कहा कि उसकी नीति ऐसे नफरत भरे पोस्ट का समर्थन नहीं करती और न ही फेसबुक किसी संप्रदाय अथवा समूह को निशाना बनाने वाले किसी समूह का समर्थन करता है। फेसबुक पर पोस्ट किए गए इन विज्ञापनों में समुदाय विशेष को निशाना बनाने वाले चिन्ह पोस्ट किए गए थे यह फेसबुक की नीति का उलंघन है।

न्यूजीलैंड में लगे भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.4

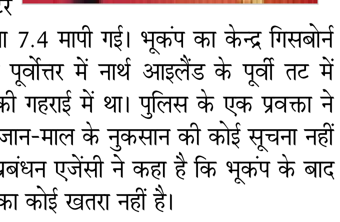

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के तटीय क्षेत्र गिसबोर्न में शुक्रवार को भूकंप के काफी तेज झटके महसूस किए गए। न्यूजीलैंड की भूवैज्ञानिक निगरानी एजेंसी जियोनेट के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। भूकंप का केन्द्र गिसबोर्न शहर से 700 किलोमीटर पूर्वोत्तर में नार्थ आइलैंड के पूर्वी तट में सतह से 33 किलोमीटर की गहराई में था। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि भूकंप के बाद न्यूजीलैंड के लिए सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुने गए भारत को बधाई देने से इनकार किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुने गए भारत को बधाई देने से इनकार करते हुए बृहस्पतिवार को उस पर कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। भारत को दो साल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया है। बुधवार को पांच अस्थायी सीटों के लिए हुए चुनाव में एशिया-प्रशांत देशों की श्रेणी से उम्मीदवार भारत को 192 मतों में से 184 मत मिले। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता आयशा फारूकी ने नियमित मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि महासभा ने दो साल के लिये सुरक्षा परिषद के चार अस्थायी सदस्यों का चुनाव किया है, जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 2021 से शुरू होगा। उन्होंने कहा, हम आयरलैंड, नॉर्वे और मैक्सिको को बधाई देते हैं। भारत के चुनाव से कुछ मौलिक प्रश्न उठते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर में सुरक्षा परिषद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा, भारत सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का उल्लंघन करता रहा है, जिसमें जम्मू-कश्मीर के लोगों को आत्मनिर्णय के अपने मौलिक अधिकार का इस्तेमाल करने के लिये संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जनमत संग्रह कराने का प्रस्ताव शामिल है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सुरक्षा परिषद के बाकी सदस्यों के साथ दक्षिण एशिया और उसके बाहर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कायम रखने के लिये।

चीन ने हांगकांग के लिये विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी

बीजिंग। चीन के विधान मंडल ने हांगकांग के लिये विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक के मसौदे को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। इस विधेयक को अर्ध-स्वायत्त हांगकांग के कानूनी और राजनीतिक संस्थानों को कमजोर करने वाला बताकर इसकी कड़ी आलोचना की गई थी। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले चार प्रकार के अपराधों से संबंधित इस विधेयक की समीक्षा के बाद इसे मंजूरी दे दी। हालांकि मसौदे में इन अपराधों और इनके तहत मिलने वाली सजा के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। एपी जोहेब नरेश नरेश 1806 2313 बीजिंग

जापान के आसमान में दिखा रहस्यमयी सफेद गुब्बारा, मौसम विभाग से लेकर सरकार तक हैरान

इंटरनेशनल डेस्क।

जापान के शेंदाई शहर के आओबा वार्ड के ऊपर आसमान में एक बड़ा सा सफेद गुब्बारा दिखने पर लोगों में इसको लेकर कोतुहल मच गया। हर कोई इसके बारे में जानना चाहता था। गुब्बारा कई घंटों तक आसमान में रूका रहा और फिर धीमी गति से चलता हुआ अचानक प्रशांत महासागर के ऊपर गायब हो गया। आसमान पर रहस्यमयी चीज दिखने पर सोशल मीडिया पर इसकी फोटो और वीडियो शेयर किए गए और साथ ही कई कहानियां भी। कुछ लोगों ने कहा कि यह एक सफेद रंग का गुब्बारा था जिसके नीचे दो क्रॉस्ड प्रोपेलर्स लगे थे, जो इसे उड़ने में मदद कर रहे थे। कुछ लोगों ने तो इसे एलियन शिप तक कह दिया। वहीं कुछ लोगों को लगा कि मौसम विभाग ने इसे छोड़ा होगा लेकिन अधिकारियों ने इससे इंकार किया और कहा कि मौसम विभाग ने ऐसा कोई गुब्बारा आसमान में नहीं छोड़ा है। सोशल मीडिय पर तरह-तरह की अफवाहें भी फैलीं। किसी ने लिखा कि गुब्बारा उत्तर कोरिया ने जापान में कोरोना वायरस फैलाने के लिए भेजा था। जापान सरकार के चीफ कैबिनेट सेक्रेटरी योशीहिदे सूगा ने कहा हमारी सरकार को नहीं पता कि ये गुब्बारा कहां से आया और ये कहां चला गया।

चीन की चालबाजी पर अमेरिका की कड़ी नजर, कहा- भारत को उकसा रहा ड्रैगन

इंटरनेशनल डेस्क।

लद्दाख की गलवान घाटी में चीन के सैनिकों के साथ हुई हिंसक झड़प में मारे गए भारतीय सैनिकों के प्रति अमेरिका ने गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने शीर्ष चीनी राजनयिक यांग जिएची के साथ बैठक के कुछ घंटे बाद कहा कि चीन के साथ हाल में हिंसक झड़प में सैनिकों के मारे जाने पर भारत के लोगों के प्रति हम गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में सोमवार रात चीनी सैनिकों के साथ हुए संघर्ष में 20 भारतीय सैन्यकर्मी मारे गए थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैली मेकनैनी ने सीमा पर हुई झड़प के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्पको इसकी जानकारी है। हम पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय एवं चीनी बलों के बीच हालात पर नजर रख रहे हैं। हमने भारतीय सेना का बयान देखा है कि झड़प में 20 भारतीय जवानों ने जान गंवाई है और हम इसे लेकर गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। वहीं एक शीर्ष अमेरिकी सांसद ने इस संदर्भ में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के इरादे से झड़प शुरू की। सीनेट में बहुमत के नेता मिच मैकोनेल ने विदेश नीति पर सदन में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पीएलए ने जमीनी क्षेत्र हड़पने के मकसद से चीन और भारत के बीच 1962 में हुए युद्ध के बाद की सबसे हिंसक झड़प के लिए उकसाया। दुनिया को इससे अधिक स्पष्ट उदाहरण नहीं मिल सकता है कि चीन अपनी सीमा के भीतर लोगों से क्रूरता कर रहा है और दुनिया के नक्शे को पुनः तैयार करके अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रहा है और अपने हिसाब से उसे बदलने की कोशिश कर रहा है। शीर्ष रिपब्लिकन सीनेटर ने कहा कि 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने कोरोना वायरस महामारी का इस्तेमाल हांगकांग में अपने दमनकारी कदमों को छुपाने और क्षेत्र में अपना नियंत्रण एवं प्रभाव बढ़ाने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि समुद्र में उसने जापान में सेनकाकु द्वीप के निकट कदम आगे बढ़ाए हैं। आसमान में, चीनी विमान विभिन्न समय पर ताइवानी वायुक्षेत्र में घुसे हैं। इस बीच, सांसद जिम बैंक्स ने भारतीय दूरसंचार नेटवर्क से हुआवेई और जेडटीई को प्रतिबंधित करने के भारत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि भारत डरेगा नहीं।

बिना लक्षण वाले कोविड-19 मरीजों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया कमजोर हो सकती है : अध्ययन

बीजिंग। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि कोविड-19 के ऐसे मरीजों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया कमजोर हो सकती है जिनमें रोग के लक्षण नजर नहीं आते। इस अध्ययन ने 'प्रतिरक्षा पासपोर्ट' के इस्तेमाल के जोखिम को बढ़ा दिया है। 'प्रतिरक्षा पासपोर्ट' यह प्रमाणित करने के लिये दिया जाता है कि कोई व्यक्ति कोविड-19 से ठीक हो चुका है और यात्रा तथा काम करने के लिये फिट है। 'नेचर मेडिसिन' जर्नल में प्रकाशित यह शोध नए कोरोना वायरस, सार्स-सीओवी-2 से संक्रमित ऐसे 37 मरीजों के नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक अभिव्यक्तियों का विश्लेषण पेश करता है जिनमें लक्षण नजर नहीं आते। इसमें पाया गया कि इन मरीजों में वायरस का प्रकोप कम होने में 19 दिन का वक्त लगा जबकि इसकी तुलना में 37 ऐसे मरीजों के एक अन्य समूह में, जिनमें लक्षण नजर आ रहे थे, उनमें यह अवधि 14 दिन की थी। चीन की चॉन्गक्रिंग मेडिकल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक, सार्स-सीओवी-2 से संक्रमित अधिकतर मरीज सांस संबंधी हलकी परेशानियों के साथ ही बुखार, खांसी और सांस ज्यादा नहीं खींच पाने जैसे लक्षणों से प्रभावित होते हैं और ये लक्षण संक्रमण के संपर्क में आने के दो से 14 दिन के बाद नजर आते हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि इनमें से कुछ में संक्रमण के बावजूद बेहद मामूली लक्षण नजर आते हैं या फिर वे नजर ही नहीं आते। अध्ययन में अनुसंधानकर्ताओं ने 10 अप्रैल 2020 से पहले चीन के वानझाउ जिले से सार्स-सीओवी-2 से संक्रमित ऐसे 37 लोगों का अध्ययन किया जिनमें लक्षण नजर नहीं आ रहे थे।

अमेरिका में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या में आई कमी, वैज्ञानिकों को स्थिति बदलने का डर

बाल्टीमोर।

अमेरिका के राज्यों में व्यापारिक गतिविधियां तेजी से बहाल किए जाने के बावजूद कोरोनो वायरस से प्रतिदिन होने वाली मौतों की संख्या में हालिया हफ्तों में गिरावट आई है, लेकिन वैज्ञानिकों को इस बात डर है कि यह स्थिति पलट सकती है। वैश्विक महामारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठन व्रिजॉल्व टू सेव लाइव्स के डॉ. सायरस शैहपर ने कहा अभी यह कहना बहुत जल्दबाजी होगी कि मरने वालों की संख्या कम हो रही है और सब कुछ ठीक है। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आकंड़ों के एपी द्वारा किए आकलन के अनुसार देशभर में कोविड-19 से प्रतिदिन होने वाली मौत की संख्या गिरकर करीब 680 रह गई है जो कि दो सप्ताह पहले 960 थी। ऐसा माना जा रहा है कि संक्रमण को रोकने और लोगों को बचाने के लिए अस्पतालों एवं नर्सिंग होम में प्रभावी उपचार और बेहतर प्रयासों सहित कई कारणों से यह गिरावट आई है। एपी के आकलन में पाया गया कि प्रतिदिन सामने आने वाले नए मामले की संख्या बढ़ी है, जो दो सप्ताह पहले 21,400 थी और अब 23,200 हो गई है। सिएटल स्थित वाशिंगटन विश्वविद्यालय में हेल्थ मेट्रिक्स विज्ञान के प्रोफेसर अली मोकदाद ने कहा कि फ्लोरिडा, जॉर्जिया, टेक्सास और एरिज़ोना में लॉकडाउन प्रतिबंधों को जल्द ही खत्म कर दिया गया, जिससे जून की शुरुआत से वहां मरने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, यह कोई संख्या नहीं है। ये इंसान है। हम अमेरिका में कई स्थानों पर मृतक संख्या में बढ़ोतरी देखेंगे। जॉन्स हॉपकिन्स के अनुसार अमेरिका में कोविड-19 से अभी तक 1,18,000 लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि वास्तविक आंकड़ों के इससे कई अधिक होने की आशंका है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

45 मिनट में चोर आभूषण और नकदी समेत 26.10 लाख पर हाथ साफ कर फरार

सूरत, शहर के पॉश इलाके सिटीलाइड क्षेत्र में दिन दहाड़े एक घर में घुसे चोर 45 मिनट में कीमती आभूषण और नकद समेत कुल रु. 26.10 लाख पर हाथ साफ कर फरार हो गए! उमरा पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चोरों की तलाश शुरू की है!

जानकारी के मुताबिक सूरत के पॉश इलाके सिटीलाइट रोड क्षेत्र के संस्कृति एपार्टमेंट के 901 में रहनेवाले अजय जेठानंद सच्चानंदानी का अडाजण के आनंदमहल रोड पर नवनीत मोटर्स नामक वर्कशोप है!

बीते दिन रोज की भांति अजय अपने वर्कशोप चले गए दोपहर के वक्त अजय की पत्नी कमल और पुत्र प्रतीक भी बाजार गए थेद्य उस वक्त अज्ञात शख्सों ने अजय सच्चानंदानी के बंद घर को टार्गेट किया और मुख्य दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश किया! घर में रखी अलमारी को तोड़ उसमें से रु. 3.50 लाख नकद और हीराजड़ित सोने के आभूषणों समेत कुल रु. 22.60 के सामान पर हाथ साफ कर चोर फरार हो गए!

बाजार से लौटे माता–पुत्र घर का मुख्य दरवाजा टूटा देख चौंक पड़े और तुरंत अजय और पुलिस को सूचना दे दी!

घटनास्थल पर पहुंची उमरा पुलिस ने संस्कृति एपार्टमेंट समेत आसपास की सोसायटियों में लगे सीसीवी फूटेज खंगालना शुरू कर दिया!

जिसमें पता चला कि एक कार में तीन चोर आए थे! जिसमें दो शख्स कार से उतरकर लिफ्ट के जरिए एपार्मेंट में दाखिल हुए और करीब आधा घंटे बाद दो थैले और कंधे पर बैग लटकाए लौट आए और कार से रफुचक्कर हो गए!

कनकपुर और कनसाड नगरपालिकाओं को सील करने के बाद, नगरपालिका के कर्मचारियों ने सील खोल दिया।

राज्य सरकार ने सूरत नगर निगम में 27 ग्राम पंचायतों और दो नगरपालिकाओं को शामिल किया है। इस अधिसूचना के आध ार पर, सूरत नगर आयुक्त के आदेश के अनुसार, शहरी विकास और आवास, गांधीनगर द्वारा जारी एक अधिसूचना में सूरत नगर निगम में 2 नगर पालिकाओं और 27 ग्राम पंचायतों के कुल 31 गाँव शामिल हैं।

इसे ध्यान में रखते हुए, लागत क्षेत्र के जोनल प्रमुख को गांवों के सभी प्रकार के रिकॉर्ड(उपकरण), पुराने स्टॉक आदि को चार्ज करने के लिए कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

सूरत नगर निगम में सचिन नगर पालिका और कनकपुर नगर पालिका शामिल हैं। इसलिए दोनों कार्यालयों को कल से सील कर दिया गया। सुबह कर्मचारी समय पर पहुंचे। हालांकि, निगम के कर्मचारी पहुंच गए और दोनों नगरपालिकाओं को कब्जे में ले लिया और सील खोल दी।

सौराष्ट्र में तेजी से बढ़ रही कोरोना संक्रमितों की संख्या

अहमदाबाद, राज. कोट समेत सौराष्ट्र के सभी जिलों में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है

अन्य जिलों से सौराष्ट्र में आनेवाले लोगों के कारण सौराष्ट्र में कोरोना का ग्राफ बढ़ रहा है!

राजकोट भावनगर, जामनगर, अमरेली और जूनागढ़ जैसे जिलों में ऐसे लोग
कोरोना संक्रमित पाए गए हैं, जो अन्य जिलों से आए हैं! राजकोट जिले की गोंडल तहसील के वासावड गांव में कोरोना के आज 4 मामले सामने आए हैं!

वासावड गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है जिसमें पति–पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं! ?

यह परिवार हाल ही में मुंबई से वासावड आया था! रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद परिवार को होम कोरन्टाइन कर उपचार शुरू किया गया है!

वहीं जामनगर में देर रात कोरोना के 4 नए मामले सामने आए! बीते दिन एक ही दिन में जामनगर में कोरोना पॉजिटिव के 9 मामले दर्ज हुए थे, जिसमें 3 महिला और 1 पुरुष शामिल है! ज्यादातर मामले जामनगर के सेतावड, खोडियार कॉलोनी और प्रदर्शन सरकारी आवास के हैं!

जूनागढ़ शहर में कोरोना के दो नए केस दर्ज हुए हैं! झांझरडा रोड स्थित जीवनधारा सोसायटी निवासी 48 वर्षीय पुरुष और नागरवाडा के गिरीराज एपार्टमेंट के 68 वर्षीय महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है!

कल शाम तक जूनागढ़ जिले में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या 40 थीद्य जिसमें 30 लोग ठीक हो चुके हैं और 1 मरीज की कोरोना से मौत हुई है!

कोरोना के 2 नए मामलों के साथ जूनागढ़ में कोरोना के कुल 15 सक्रिय मरीज हैं!

बीटीपी के दो विधायकों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को किया निराश

अहमदाबाद,भारतीय ट्रायबल पार्टी (बीटीपी) के दो विधायक छोटु वसावा और महेश वसावा ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों को निराश किया हैद्य छोटु वसावा और महेश वसावा ने राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान नहीं किया !ि

पछले कई दिनों से बीटीपी के दो वोट को लेकर सस्पैंश बना हुआ था

कि वह किसके पक्ष में मतदान करेंगेद्य शुक्रवार को राज्यसभा के लिए मतदान शुरू होने के बाद भाजपा और कांग्रेस नेताओं ने बीटीपी के दो वोट पाने के लिए हरसंभव कोशिश की!

लेकिन बीटीपी के दोनों विधायक टस से मस नहीं हुए और मतदान करने से ही इंकार कर दिया!

मीडिया से बातचीत में छोटु वसावा ने कहा कि हमारी मांगें पूरी नहीं हुई और दोनों पार्टी इसे पूरा करने में नाकाम रही हैं! हमारी मांग थी कि जहां जहां दोनों पार्टियों का शासन है, वहां शिड्युल 5 लागू की जाए! लेकिन दोनों पार्टियों ने ऐसा नहीं किया, इसलिए हमने मतदान नहीं करने का फैसला किया! उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद भी नहीं है कि ये लोग हमारी समस्याओं का समाधान करेंगे! भाजपा और कांग्रेस हमारे लोगों का बैलों की तरह उपयोग करते हैं! छोटु वसावा ने कहा कि चुनाव वक्त ही भाजपा और कांग्रेस को बीटीपी की याद आती है, परंतु अब अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन करेंगे! क्योंकि ये लोग आदिवासियों को देश का हिस्सा ही नहीं मानते!उन्होंने कहा कि अतीत में हमने भाजपा और कांग्रेस दोनों को वोट दिया है, लेकिन दोनों ही प्रलोभन के अतिरिक्त और कुछ नहीं दिया! प्रलोभनों का सिलसिला आज से नहीं वर्षों से चला आ रहा है!

वसावा ने कहा कि जहां जहां आदिवासियों के साथ अन्याय होगा, हम आंदोलन करेंगे! भले ही चाहे सरकार हमें गोली मार दे! बीटीपी का मतदान नहीं करने से भाजपा को फायदा के सवाल पर छोटु वसावा ने कहा कि कम से कम हमें तो नुकसान नहीं होगा!

चार संतानों के साथ दो भाइयों ने की सामूहिक आत्महत्या

अहमदाबाद, शहर के वटवा क्षेत्र में चार संतानों के साथ दो भाइयों की आत्महत्या की घटना से सनसनी फैल गई! वटवा जी. आईडीसी पुलिस ने एफएसएल की मदद से मामले जांच शुरू की है! जानकारी के मुताबिक वटवा के हाथीजण क्षेत्र में रहनेवाले अमरीश पर अमरीश और गौरांग पटेल की पत्नियों ने अपने पति और संतानों की खोजबीन शुरू कर दी! पति और संतानों की कोई खैर खबर नहीं मिलने पर दूसरी रात दोनों भाइयों की पत्नियां उस मकान पर पहुंच गई जिसे छह महीने पहले ही खाली किया था! दरवाजा भीतर से बंद था, इसलिए स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी! घर का दरवाजा खोलने पर भीतर से 42 वर्षीय अमरीश पटेल, 40 वर्षीय गौरांग पटेल, 12 मर्षीय मयूर अमरीश पटेल, 9 वर्षीय कीर्ति अमरीश पटेल, 12 वर्षीय ध्रुव गौरांग ने किन कारणों से संतानों के आत्महत्या की है? या बच्चों की हत्या के बाद आत्महत्या की है? इत्यादि की पुलिस ने एफएसएल की मदद से जांच की है!

बताया जाता है कि जिस मकान में घटना हुई है, वहां गौरांग पटेल परिवार के साथ

पटेल और गौरांग पटेल गत 17 जून को अपनी चार संतानों को लेकर लोंग ड्राइव पर निकले थे! लेकिन देर रात वापस नहीं लौटने

फ्लैट के नीचे कार देख परिवार के 6 सदस्य पुराने मकान में होने की संभावना देख दोनों वहां पहुंच गई! घर का पटेल और 7 वर्षीय शानवी गौरांट पटेल के शव बरामद हुए! कपड़े की दुकान में नौकरी करनेवाले अमरीश पटेल और गौरांग पटेल रहते थे, जहां बैंक द्वारा नोटिस लगाए जाने के बाद वह मकान खाली कर परिवार के साथ वटवा में किराए पर रहने गए थे!

सूरत पांडेसरा में वाहन के चालक के पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं थे जिसके चलते चालक और ट्रैफिक पुलिस से भिड़ गया

सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में बटली बॉय सर्कल में ट्रैफिक मेमो बनाने को लेकर ट्रैफिक पुलिस के साथ हाथापाई हुई।

बातचीत के समय मोटरसा. इकिल चालक के पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं थे।

गुस्साए चालक ने अपने वाहन को भी सड़क पर फेंक दिया और उसमें आग लगाने की कोशिश की। हालांकि,

कोरोना महामारी के कारण

खराब आर्थिक स्थिति के कारण चालक को ट्रैफिक पुलिस चालन बनने से चालक और ट्रैफिक पुलिस के बीच

यह विवादास्पद घटना बना.

नतीजे से पहले भरतसिंह सोलंकी ने मानी हार, भाजपा पर किए कड़े प्रहार

अहमदाबाद, गुजरात में राज्यसभा की चार सीटों पर वोटिंग शाम चार बजे पूर्ण होने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी शक्तिसिंह गोहिल और भरतसिंह सोलंकी ने मीडिया से बातचीत में हार मान ली!

शक्तसिंह गोहिल ने कहा कि राज्यसभा चुनाव ऐलान के बाद भाजपा के पास पर्याप्त संख्याबल नहीं होने के बावजूद उसने तीसरे उम्मीदवार को मैदान में उताराद्य बाद में चुनाव कराने में विलंब किया गया!

यह रावन की पेटर्न थी, जिसमें एक ओर सोने का मुकुट और दूसरी साधु का भेष, जिसे देश की जनता ने देखा है!

कांग्रेस के 65 विधायक और निर्दलीय जिग्नेश मेवाणी का आभार व्यक्त करते हुए गोहिल ने कहा कि शाम, दाम, दंड और भेद के बावजूद कांग्रेस के दोनों

उम्मीदवारों की जीत तय है!

भरतसिंह सोलंकी ने कहा कि राज्यसभा चुनाव का ऐलान हुआ तब कांग्रेस की पर्याप्त वोटों के साथ जीत तय थी!

भाजपा केवल दो सीटें सरलता से जीत सकती थीद्य इसके बावजूद उसने तीसरा उम्मीदवार उतारा और जोड़तोड़, धमकी और खरीद फरोख्त शुरू कर दी! उस दौरान कांग्रेस विधायकों को मजबूरी में जयपुर में रखना पड़ा!

लेकिन कोरोना संकट के चलते चुनाव टल गएद्य लंबे समय के बाद चुनाव होने पर मुझे गर्व है कि कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट रहे और जिग्नेश मेवाणी का भी हमें समर्थन मिला!

चुनाव नतीजा जो भी हो वह हमेशा स्वीकार्य है!

भरतसिंह सोलंकी ने कहा कि बीटीपी के दो वोट भी कांग्रेस को मिलने की उम्मीद थी!

लेकिन भाजपा की दबाव की राजनीति के कारण यह नहीं हो सका और बीटीबी विधायकों ने मतदान ही नहीं किया!

भरतसिंह सोलंकी ने कांग्रेस हाईकमांड, नेता, विधायक और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया!

अहमदाबाद में पैदल चलते–चलते एक युवक की हुई मौत

अहमदाबाद, सूरत में एक शख्स की रास्ता भूल जाने के बाद पैदल चलते–चलते मौत हो गई। दरअसल, 42 साल का यह शख्स सूरत में अपने भाई के घर आया था और डायबिटीज से पीड़ित था।

इस वजह से अपने घर से वॉक के लिए निक. ला लेकिन अनजान शहर में घर का रास्ता भूल गया।

इसके बाद वह काफी देर तक अपने घर की तलाश करते सड़क पर भटकता रहा और इसी बीच भूख और प्यास के कारण उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि जम्मू–कश्मीर के रहने वाले वीरेंद्र ध ार अपने माता–पिता के साथ भाई संजय धर के घर पर आए थे।

लॉकडाउन में रियायतों का ऐलान होने के बाद 4 जून को वह सुबह करीब 11 बजे घर से वॉक के लिए निकले

लेकिन कुछ दूर चलने के बाद वह घर वापसी का रास्ता भूल गए।

इसके बाद घर की तलाश में वीरेंद्र तमाम सड़कों पर घंटों तक घूमते रहे। वहीं भाई के 24 घंटे बाद भी घर वापस ना लौटने पर उनके भाई डॉ. संजय धर ने पुलिस को उनकी गुमशुदगी की शिकायत दी।

तलाश में जुटी पुलिस ने 7 जून को सारथना पु. लिस ने वीरेंद्र धार का शव बरामद किया।

इसके बाद वीरेंद्र के परिवार को इसकी जानक. ारी दी गई। वीरेंद्र के परिजनों ने बताया कि डायबिटीज से पीड़ित वीरेंद्र लॉकडाउन के वक्त काफी परेशान रहते थे

और इसी तनाव को दूर करने के लिए वह आधे घंटे की वॉक के लिए जाया करते थे।

पुलिस ने बताया कि वीरेंद्र करीब 17 घंटे तक घर की तलाश में भटकते रहे और फिर संभवतः भूख और प्यास के कारण उनकी मौत हो गई।

फिलहाल पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और इसकी जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)